mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-100 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
12 अप्रैल 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पीएम बोले:बंगाल की जनता टीएमसी का अहंकार चकनाचूर करेगी

भय का राज बदलेगी भाजपा; असम के एक बूथ पर हुई दोबारा वोटिंग

कोलकाता//तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिम बंगाल में हैं। उन्होंने पूर्व वर्धमान जिले के कटवा और मुर्शिदाबाद के जंगीपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पीएम ने पूर्व वर्धमान में कहा- बंगाल बदलाव के लिए तैयार है। यहां की महान विरासत पर टीएमसी ने पिछड़ेपन का दाग लगाकर पाप किया है। पीएम ने कहा- बीजेपी ने बंगाल को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लिया है। हमने कल ही घोषणापत्र जारी किया, इसमें 6 गारंटियां हैं। मोदी की गारंटी टीएमसी की निर्मम सरकार के भय राज को हटाके भरोसे में बदलने की है। मुर्शिदाबाद में मोदी ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार भी चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी। असम के कभूमि जिले में करीमगंज (उत्तर) विधानसभा क्षेत्र के 239-बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल मतदान केंद्र पर दोबारा वोटिंग हुई । सुबह 7 बजे से शुरु हुई वोटिंग शाम 5 बजे तक चली। 9 अप्रैल को यहां पर भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के झगड़ा हुआ था। इसके बाद अधिकारियों ने दोबारा चुनाव कराने का आदेश जारी किया था। इस सीट से 14 उम्मीदवार मैदान में हैं।

पीएम बोले- बंगाल की जनता टीएमसी का अहंकार चकनाचूर कर देगी: पीएम मोदी ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी। मोदी ने कहा- बंगाल की जनता ने मां, माटि और मानुश के नारे से प्रेरित होकर, बहुत आशा और उमंग के साथ टीएमसी को एक मौका दिया लेकिन सत्ता में आते ही टीएमसी वामपंथियों की कॉर्बन कॉपी बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा- वामपंथियों से जुड़े सभी गुंडे और गिरोह तृणमूल में शामिल हो गए हैं। टीएमसी ने अब हर चीज का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया है- हथियारों, नशीले पदार्थों और मवेशियों की तस्करी से लेकर उन कटौतियों और कमीशनों तक, जो कभी वामपंथियों की पहचान हुआ करती थीं।

पीएम बोले- बंगाल में कमीशन-भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म करेंगे:

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में 'कट मनी', कमीशन और भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे, जिससे युवाओं को फायदा मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र के अनुसार, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा।

भाजपा की सरकार बनी, तो 'सिंडिकेट राज' खत्म करेंगे, घुसपैठियों को खदेड़ेंगे : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के ओंडा-विष्णुपुर क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने 'सिंडिकेट राज', भ्रष्टाचार और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राज्य में हर स्तर पर सिंडिकेट का प्रभाव है। चाहे वह निर्माण कार्य हो या रोजमर्रा की जरूरतें। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनता से 23 अप्रैल को कमल के निशान पर वोट देने की अपील करते हुए कहा 'प्रचंड बहुमत से भाजपा को जिताइए, हम बंगाल से सिंडिकेट राज को समाप्त कर देंगे।' अमित शाह ने बांकुड़ा क्षेत्र के विकास को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस इलाके की उपेक्षा हुई है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ा। साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने पर विष्णुपुर में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा और क्षेत्रीय विकास को गति दी जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर भी अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है और स्थिति चिंताजनक है। भाजपा सरकार बनने पर 24 घंटे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा 'घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा और मतदाता सूची से भी अवैध नाम हटाए जाएंगे। अपने संबोधन में शाह ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का वादा भी दोहराया। उन्होंने कहा कि इससे देश के सभी नागरिकों के लिए समान कानून सुनिश्चित होगा। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की। सभा के दौरान अमित शाह ने राज्य सरकार पर कई घोटालों-जैसे शिक्षक भर्ती, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य मामलों में संलिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इन सभी मामलों की जांच के लिए आयोग गठित किया जाएगा और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा, 'विकसित बंगाल के बिना विकसित भारत संभव नहीं है,' और इसके लिए राज्य में राजनीतिक परिवर्तन आवश्यक है।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से 2.49 लाख हेक्टेयर में रबी फसलों को नुकसान, गेहूं सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली,एजेंसी। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से 8 अप्रैल तक 2.49 लाख हेक्टेयर में खड़ी रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। इसमें गेहूं की खेती सबसे अधिक प्रभावित हुई है। आम और लीची जैसी बागवानी फसलों को भी नुकसान हुआ है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा, मोदी सरकार इस संकट में किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। 5 अप्रैल को अधिकारियों को प्रभावित राज्यों में नुकसान की समीक्षा करने और प्रदेश सरकारों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया था। तीन विभागों की ओर से इस नुकसान की समीक्षा की जा रही है। राज्य सरकारों से भी तुरंत नुकसान का आकलन करने को कहा गया है। इसके अलावा, प्रभावित क्षेत्रों के कृषि मंत्रियों से भी बातचीत की गई है।

संकट के बीच उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा केंद्र

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में उन्नत कृषि महोत्सव शुरू होने से पूर्व चौहान ने कहा, सरकार वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। सरकार चाहती है कि किसान को उपज का उचित मूल्य मिले, उर्वरकों की उपलब्धता बनी रहे और किसान पर वैश्विक संकट का बोझ न्यूनतम रहे।

'शांति से 15,000 देते रहो, खुश रहो'

सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी से 16 साल से अलग रह रहे पति से कहा, तलाक देने से इनकार

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल से पत्नी से अलग रह रहे 54 साल के एक व्यक्ति को तलाक देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह अपनी पत्नी को 15,000 मासिक गुजारा भत्ता देता रहे और अगर तलाक चाहिए तो स्थायी गुजारा भत्ते का ठोस प्रस्ताव दे। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि 15,000 आज के समय में बहुत कम राशि है। कोर्ट ने साफ कहा, 'शांति से 15,000 देते रहो, खुश रहो।' इससे पहले हाईकोर्ट ने भी इस व्यक्ति की तलाक याचिका खारिज कर दी थी। पति-पत्नी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

कोर्ट ने गुजारा भत्ता तय करने के लिए समय दिया: कोर्ट ने यह भी कहा कि पति ने क्रूरता का जो आधार बताया है, वह सिर्फ इतना है कि पत्नी चाहती थी कि वह जहां भी पोस्टेड हो, उसके साथ रहे। इस पर कोर्ट ने सवाल किया, इसमें दिक्कत क्या है।

सीजेआई सूर्यकांत बोले- इकॉनोमी में कानून की भूमिका अहम:

भारत केवल पूंजी या पॉलिसी के दम पर 10 ट्रिलियन डॉलर इकॉनोमी नहीं बन सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। CJI सूर्यकांत ने कहा कि भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनॉमी बनाने के लिए सिर्फ पूंजी और पॉलिसी काफी नहीं होंगी। इसके लिए मजबूत और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। निवेशकों का भरोसा इसी पर टिका होता है।जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस चुनौती को पूरा करेगा, लेकिन इसके लिए कानून की गुणवत्ता, स्थिरता और पारदर्शिता जरूरी होगी, क्योंकि इसी पर आर्थिक वादों और निवेश का आधार टिका होता है।भारत को लंबी अवधि के निवेश की जरूरत CJI ने कहा कि अब भारत को ऐसे निवेश की जरूरत है जो जल्दी मुनाफा कमाने के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक टिके रहने वाले हों और भरोसे पर आधारित हों। जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में पेंशन फंड का पैसा लगाना, टेक कंपनियों का अपना ज्ञान साझा करना या बड़ी विदेशी कंपनियों का सप्लाई चेन बनाना- ये सब लंबे समय की जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक सबसे पहले ये देखते हैं कि जिस देश में वे पैसा लगा रहे हैं, वहां का कानून आगे भी ईमानदार, स्थिर और भरोसेमंद रहेगा या नहीं। उनके मुताबिक असली बात सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट निभाने की नहीं है, बल्कि पूरे रिश्ते में भरोसा बनाए रखने की है।

ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती:

राष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने किया नमन पीएम बोले- उनके विचार आज भी मार्गदर्शक

नई दिल्ली, एजेंसी। महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर देश के शीर्ष नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी प्रेरणा स्थल पहुंचकर महात्मा फुले को पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महात्मा फुले को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके समाज सुधार के योगदान को याद किया।

पीएम मोदी ने बताया- फुले आज भी प्रेरणा स्त्रोत: पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि महात्मा फुले केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि आज भी भारत के भविष्य के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि फुले ने अपना जीवन समानता, न्याय और शिक्षा के लिए समर्पित किया और महिलाओं व वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष की मजबूत नींव रखी। प्रधानमंत्री ने यह भी जोर दिया कि उनके विचार आज के भारत में 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे संकल्पों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

पीएम मोदी और राहुल गांधी के बीच हुई बातचीत: संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच संक्षिप्त बातचीत भी हुई।

महाराष्ट्र के तीन जिलों में भूकंप के हल्के झटके, कोई हताहत नहीं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के तीन जिलों हिंगोली, नांदेड़ और परभणि में शनिवार को सुबह करीब आठ बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी है। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तहसील के शिरली गांव में ज़मीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इन तीनों जिलों में प्रशासन अभी भूकंप से हुए नुकसान का आकलन कर रहा है।नांदेड जिले प्राशसनिक एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप के झटके पड़ोसी नांदेड़ जिले के अर्धापुर, हदगांव और हिमायत नगर तहसील में तथा परभणी जिले के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए।

महंगाई भत्ते को लेकर कर्मियों-पेंशनभोगियों में भेदभाव न करें राज्य, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महंगाई से निपटने के लिए भत्ते बढ़ाने के मामले में राज्य सेवारत कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समानता के अधिकार को बरकरार रखते हुए एक महत्वपूर्ण फैसले में, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने केरल राज्य और केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की ओर से दायर अपीलों को खारिज कर दिया और पुष्टि की कि महंगाई सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों कर्मचारियों को समान रूप से प्रभावित करती है। फैसला लिखने वाले जस्टिस मिश्रा ने कहा, वास्तव में, समानता और मनमानी एक दूसरे के कट्टर दुश्मन हैं। एक गणतंत्र में कानून के शासन का हिस्सा है, जबकि दूसरा निरंकुश राजा की सनक और मनमानी का। संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का हवाला देते हुए, फैसले में कहा गया है कि यह वर्ग-आधारित कानून बनाने पर रोक लगाता है, लेकिन उचित वर्गीकरण की अनुमति देता है, जिसे दो कसौटियों को पूरा करना होगा। दोहरी कसौटियों के अनुसार, वर्गीकरण एक ऐसे बोधगम्य अंतर पर आधारित होना चाहिए जो एक समूह में रखे गए लोगों को दूसरों से अलग करता हो, और दूसरा, उस अंतर का अधिनियम से प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्य के साथ तर्कसंगत संबंध होना चाहिए।

बंगाल में मतदाता सूची को फ्रीज करने के फैसले के खिलाफ अर्जी पर 13 को सुनवाई:

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग की मतदाता सूची को फ्रीज करने को चुनौती देने वाली लंबित याचिकाओं के साथ एक नई याचिका पर 13 अप्रैल को सुनवाई करने की सहमति दी। चुनाव आयोग ने पहले चरण में मतदान के लिए विधानसभा सीटों की मतदाता सूची को 9 अप्रैल को फ्रीज और अंतिम रूप दे दिया था। जेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ के समक्ष एक वकील ने मतदाता सूची पर रोक लगाने के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई करने का आग्रह किया। वकील ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ कई अपीलें अभी भी लंबित हैं और चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को मतदाता सूची पर रोक लगा दी थी।

मुंबई में गैस की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई

अवैध रूप से रखे गए 451 एलपीजी सिलिंडर किए गए जब्त

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में की गई है। राशनिंग विभाग ने एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण और परिवहन से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कुल 451 एलपीजी सिलिंडर बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि डोंगरी के वाडी बंदर क्षेत्र में चलाए गए इस अभियान के दौरान 40 लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त किया गया और आठ वाहनों को रोका गया। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई राशनिंग नियंत्रक और नागरिक आपूर्ति निदेशक को प्राप्त गोपनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, तत्काल विशेष निर्देश जारी किए गए, जिसके बाद विभाग के फ्लाइंग स्क्वाड ने एक सुनियोजित अभियान चलाया।

वृंदावन हादसा-11 श्रद्धालुओं की मौत, 4 लापता

यमुना से बेटे की लाश निकली तो बुजुर्ग पिता रो पड़ा; 250 गोताखोर रेस्क्यू में जुटे

मथुरा, एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में नाव हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। अब तक 22 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। अभी 4 लोग लापता हैं। शनिवार को दूसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। आर्मी समेत 250 लोगों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हुई है। 14 किमी के दायरे में लापता लोगों की तलाश की जा रही है। एक शव देवरहा बाबा घाट के पास से बरामद किया गया। बेटे की लाश देखकर बुजुर्ग पिता रो पड़े। परिवार वालों ने उन्हें ढांढस बंधाया। बाकी लापता अब तक क्यों नहीं मिल पाए? इस सवाल पर रेस्क्यू में जुटे अफसर ने बताया कि यमुना का बहाव तेज है, इसलिए लोग बहकर दूर जा सकते हैं। नदी में गाद (कीचड़) और रेत में शव दबे हो सकते हैं। 24 घंटे बाद शव फूलकर ऊपर आ सकते हैं।

हादसा शुक्रवार दोपहर 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जहां 37 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी। घाट बांके बिहारी मंदिर से करीब 2 किमी दूर है।

'खवातीन' आतंकी विंग का खतरनाक प्लान, आईएसआईएस से लिंक और मिले जाकिर नाइक के वीडियो; हैदराबाद की महिला इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल में कथित भूमिका के लिए हैदराबाद की रहने वाले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को गिरफ्तार किया है। वह एक सिंगल मदर है और उसके इंस्टाग्राम पर 38,000 फॉलोअर्स हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि वह कई राज्यों में युवाओं को ऑनलाइन कट्टरपंथी बनाने और उनकी भर्ती करने में शामिल थी। 25 मार्च तो सईदा को गिरफ्तार करने के बाद, विजयवाड़ा पुलिस के पता चला कि कथित तौर पर 'खवातीन' नाम के एक आतंकी संगठन की एक अलग महिला विंग बनाने और उसे उसकी लीडर बनाने की योजना थी। इस योजना के तहत भर्ती की गई महिलाओं को पूरे भारत में हमले के करने के लिए हथियार, बंदूकें और विस्फोटकों के इस्तेमाल की

ट्रेनिंग दी जानी थी।

सईदा पर आतंकी नेटवर्क में सईदा ने पुलिस के आरोपों से किया इनकार 5 सईदा ने पुलिस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया है, और उसके वकील का कहना है कि उसने ये ग्रुप नहीं बनाए थे, बल्कि उसे बिना उसकी जानकारी के इन ग्रुप्स में जोड़ दिया गया था। पुलिस के अनुसार, सईदा ने उन्हें बताया कि लगभग 7-8 महीने पहले उसे इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर एक लिंक मिला था, जो बाद में एक ऐसे धार्मिक समूह का निकला जो ISIS को बढ़ावा देने वाले वीडियो पोस्ट करता था।

महिलाओं की भर्ती का शक

5 सईदा, जो एक घरेलू सहायिका के तौर पर भी काम करती थी, उस पर आर्तकियों के नेटवर्क में महिलाओं को भर्ती करने का शक है। हैदराबाद एक अखबार की 'डेक्कन क्रॉनिकल' रिपोर्ट के मुताबिक, उसके 42 महिलाओं की भर्ती की थी। FIR के अनुसार, सईदा उन ऑनलाइन ग्रुप्स की एक एक्टिव मेंबर थी जो अल-कायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन के वीडियो और जाकिर नाइक और इसरार अहमद जैसे कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशकों के भाषणों को बढ़ावा देते थे। एक खुफिया अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि जिस ग्रुप के साथ सईदा काम कर रही थी, उसके पाकिस्तानी हैंडलर्स और अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट जैसे आतंकी संगठनों से संबंध थे। सईदा मुख्य आरोपी रहमतुल्लाह शरीफ के साथ काम करती थी, जो कथित तौर पर इस ग्रुप का इंचार्ज था, और उसके साथियों के साथ भी, जिन्हें मार्च में गिरफ्तार किया गया था।

फरीदाबाद में पानी वितरण का नया प्लान, निगम आयुक्त ने गर्मियों के लिए दिए सख्त निर्देश

फरीदाबाद, एजेंसी। गर्मियों को देखते हुए नगर निगम में पानी वितरण को लेकर संतुलन बनाने की तैयारी चल रही है। दिन में एक ही समय क्षेत्र में पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए आयुक्त ने ऐसी कॉलोनियों और सेक्टरों की रिपोर्ट बनाने के लिए एसडीओ और जेई को निर्देश दिया है। इसके साथ उन कॉलोनियों की भी सूची बनाने के लिए कहा है। जहां पर रेनीवेल का पानी नहीं पहुंच रहा है। ऐसी जगहों पर टैंकर के माध्यम से मीठा पानी भिजवाया जाएगा। एक सप्ताह के भीतर जेई और एसडीओ को पूरी रिपोर्ट निगम आयुक्त के सामने पेश करना होगा। पार्षदों और विधायकों के दबाव में कई जगह पर बूस्टर से सुबह और शाम पानी सप्लाई किया जाता है। जिसकी वजह से अन्य क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच पाता है। सदन की बैठक में एनआईटी के पार्षदों ने इस बात को लेकर हंगामा किया था।

गाजियाबाद में बिना सूचना और सहमति के पोस्टपेड से प्रीपेड कर दिया बिजली मीटर, खातों में चढ़ा दिया गलत मोबाइल नंबर

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में स्मार्ट मीटर व्यवस्था को पारदर्शी और उपभोक्ता-हितैषी बनाने के दावों के बीच अब उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आने लगी हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद विद्युत निगम ने बिना जानकारी दिए ही मीटरों को पोस्टपेड से प्रीपेड प्रणाली में बदल दिया। इससे उपभोक्ताओं को अचानक रिचार्ज व्यवस्था में जाना पड़ा और उन्हें स्थिति की जानकारी तक नहीं दी गई। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत जिले में अब तक लगभग 2.80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें से 2.30 लाख से अधिक कनेक्शन प्रीपेड प्रणाली

में परिवर्तित कर दिए गए हैं। लेकिन उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें न तो इसकी पूर्व सूचना दी गई और न ही उनकी सहमति ली गई। उपभोक्ताओं का आरोप है कि मीटर लगाने के बाद विद्युत कर्मियों ने सिस्टम में अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर लिया। उसी नंबर पर आए ओटीपी के माध्यम से मीटर को प्रीपेड प्रणाली में सक्रिय कर दिया गया। उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी तब हुई जब बिजली आपूर्ति रिचार्ज खत्म होने पर बाधित हो गई। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। एक ओर जहां स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ता की अनुमति का नियम बताया जाता है, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार की घटनाएं व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। पोस्टपेड से प्रीपेड प्रणाली सक्रिय करने के समय ओटीपी अनिवार्य होता है।

उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच रही सूचनाएं : प्रीपेड स्मार्ट मीटर प्रणाली में उपभोक्ता के स्थान पर अन्य मोबाइल नंबर दर्ज हो जाने से रिचार्ज व बैलेंस संबंधी संदेश उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे उपभोक्ता को यह जानकारी ही नहीं मिलती कि बैलेंस समाप्त होने वाला है। परिणामस्वरूप बिना पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि मोबाइल नंबर अपडेट की इस गड़बड़ी से उन्हें अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है।

उपभोक्ता भटकने को मजबूर : मोबाइल नंबर गड़बड़ी से बिजली घरों के चक्कर काट रहे उपभोक्ता स्मार्ट मीटर सिस्टम में गलत मोबाइल नंबर दर्ज हो जाने के बाद रिचार्ज और बैलेंस संबंधी संदेश उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचने से उपभोक्ता विद्युत कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। लाइट कटने के बाद उपभोक्ता दर-दर की ठोकर खा रहे हैं।

भारत-अमेरिका वायुसेना प्रमुखों की अहम बैठक, इंडो-पैसिफिक में सहयोग और सुरक्षा पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग, प्रशिक्षण और सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा हुई। अमेरिकी वायुसेना प्रमुख केनेथ विल्सबैक ने भारतीय वायुसेना प्रमुखअमर प्रीत सिंह की मेजबानी की। यह आधिकारिक दौरा 8 अप्रैल को हुआ, जिसमें उन्हें जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने पेंटागन में उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लिया, जहां अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों और ट्रॉय मींक से भी मुलाकात हुई।

'फ्री, ओपन और प्रॉस्परस' इंडो-पैसिफिक पर जोर: अमेरिकी वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी को वाशिंगटन द्वारा दी जाने वाली

महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस साझेदारी को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को 'स्वतंत्र, खुला, शांतिपूर्ण और समृद्ध' बनाए रखने के लिए केंद्रीय बताया। जनरल विल्सबैक ने समान विचारधारा वाले सहयोगियों के साथ बहुपक्षीय अभ्यासों में भारत के नेतृत्व और भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोग को बढ़ाना क्षेत्रीय निवारण को मजबूत करने की कुंजी होगी।

आधुनिकीकरण और प्रशिक्षण पर चर्चा: जनरल विल्सबैक ने कहा एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के इस महत्वपूर्ण समकक्ष दौरे की मेजबानी करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। पेंटागन में उनके पूरे दिन के दौरान, हमने आधुनिकीकरण के प्रयासों, भविष्य के प्रशिक्षण के अवसरों और एक स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता पर गहन चर्चा की। बैठक में भारत द्वारा रूस-9क्ष स्काई गार्जियन विमान की खरीद पर भी चर्चा हुई। अमेरिकी वायु सेना ने इस बात पर जोर दिया कि वे भारतीय सशस्त्र बलों को इस प्लेटफॉर्म को 'निर्बाध और प्रभावी ढंग से तैनात' करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अन्य बेस का दौरा: वाशिंगटन के अलावा, एयर चीफ मार्शल सिंह ने कोलोराडो में पीटरसन स्पेस फोर्स बेस का भी दौरा किया, जहां उन्हें उत्तरी अमेरिका के लिए एयरोस्पेस और समुद्री चेतावनी सहित नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड मिशन के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने नेवादा में नेलिस एयर फोर्स बेस का भी दौरा किया, जहां उन्होंने अमेरिकी वायु सेना युद्ध केंद्र में ब्रीफिंग में भाग लिया और स्र-15श्वङ्क ईगल ढ्ढढ्ढ लड़ाकू विमान में एक परिचय उड़ान भरी।

वॉशिंगटन में बनेगा विजयी मेहराब: शेर-चील और सुनहरी प्रतिमाएं होंगी खास आकर्षण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वॉशिंगटन में एक नए ट्रायम्फल आर्च (विजयी मेहराब) के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस प्रस्तावित स्मारक में सुनहरी सजावट, विशाल पंखों वाली प्रतिमा, दो गरुड़ (चील) और चार शेरों की मूर्तियां शामिल होंगी, जो इसे विश्व के सबसे अनोखे स्मारकों में से एक बना सकती हैं। इस योजना के तहत बनने वाला मेहराब अपनी नींव से लेकर पंखों वाली प्रतिमा की मशाल की नोक तक कुल 250 फीट (लगभग 76.2 मीटर) ऊंचा होगा। मेहराब के दोनों ओर सुनहरे अक्षरों में 'वन नेशन अंडर गॉड' और 'लिबर्टी एंड जस्टिस फॉर ऑल' जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित होंगे। यह संरचना लिंकन मेमोरियल के पूर्व में और आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पश्चिम में एक प्रमुख यातायात सर्कल के बीच स्थापित की जाएगी, जो वॉशिंगटन को उत्तरी वर्जीनिया से जोड़ता है। इसकी विशालता का अंदाजा इसी

बात से लगाया जा सकता है कि यह मेहराब 99 फीट (लगभग 30.2 मीटर) ऊंचे लिंकन मेमोरियल को भी बौना कर देगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी इस योजना को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे महान और सबसे खूबसूरत विजयी मेहराब होगा। उन्होंने इसे वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र के लिए एक अद्भुत अतिरिक्त बताया, जिसका आनंद आने वाली कई दशकों तक सभी अमेरिकी उठा सकेंगे। ट्रंप ने इस मेहराब को लिंकन मेमोरियल के पास बनाने की इच्छा जताई है और तर्क दिया है कि राष्ट्र की राजधानी में ऐसे स्मारक की परिकल्पना 200 साल पहले की गई थी। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध के कारण यह योजना अधूरी रह गई थी और बाद में 1902 में भी इसे बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भी सफल नहीं हो सका। ट्रंप का मानना है कि दुनिया के प्रमुख शहरों में ऐसे स्मारक मौजूद हैं, लेकिन वॉशिंगटन में ऐसा कोई नहीं है।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में बड़े बदलाव: यह विजयी मेहराब ट्रंप द्वारा अपने कार्यकाल में किए जा रहे कई वास्तुशिल्प परिवर्तनों में से एक है। व्हाइट हाउस में एक बड़े बॉलरूम के निर्माण के अलावा, उन्होंने ओवल ऑफिस में भी बदलाव किए हैं और रोज गार्डन को एक पत्थर से ढके आंगन में बदल दिया है।

ईरान बोला- शत्रुता छोड़े यूएस तो होर्मुज से गुजरने देंगे जहाज; वेंस को सकारात्मक बातचीत की उम्मीद

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने इस पहल का स्वागत किया है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से अपील की है कि वे इस अवसर का उपयोग करते हुए स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आगे बढ़ें। संयुक्त राष्ट्र ने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान केवल कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ही संभव है। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहे तनाव को खत्म करने की दिशा में एक अहम पहल के तहत ईरानी प्रतिनिधिमंडल शनिवार तड़के इस्लामाबाद पहुंच गया। इस बहुप्रतीक्षित वार्ता को लेकर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि इससे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को विराम मिलने की उम्मीद है। ईरान का प्रतिनिधिमंडल संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ के नेतृत्व में पहुंचा, जिसमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शामिल हैं। इस्लामाबाद पहुंचने पर पाकिस्तान के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार

समेत कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

वेंस बोले- स्थायी युद्ध विराम पर सकारात्मक बातचीत की उम्मीद: इस बीच पाकिस्तान रवाना होने से पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा, हम वार्ता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह सकारात्मक होगी। यदि ईरानी सद्भावना से बातचीत करने को तैयार हैं, तो हम उनका हाथ थामने को तैयार हैं। लेकिन अगर वे हमें मूर्ख बनाने की कोशिश करेंगे, तो हमसे भी सहयोग की उम्मीद न रखें। उधर इस्राइल ने भी अपना रुख कुछ नरम करते हुए कहा कि वह लेबनान के साथ सीधी बातचीत करने के लिए तैयार है।

अमेरिका में महंगाई दो साल के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंची: अमेरिका में महंगाई दर पिछले महीने बढ़कर क़रीब दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इसकी बड़ी वजह तेल की कीमतों में उछाल है, जो अमेरिका-इस्राइल और ईरान से जुड़े संघर्ष के असर से बढ़ी हैं। अमेरिकी श्रम विभाग के मुताबिक, मार्च तक के 12 महीनों में उपभोक्ता कीमतें 3.3% बढ़ीं। फरवरी में यह दर 2.4% थी। यह 2022 के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी में से एक है।

यूक्रेनी सेना ने ईरानी डिजाइन वाले शाहेद ड्रोनों को मार गिराया: जेलेंस्की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि ईरान युद्ध के दौरान यूक्रेनी सेना ने पश्चिम एशिया के कई देशों में ईरानी डिजाइन वाले शाहेद ड्रोनों को मार गिराया। उन्होंने कहा, ये अभियान एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत यूक्रेन अपने सहयोगी देशों को उन हथियारों से निपटने में मदद कर रहा है जिनका इस्तेमाल रूस उसके खिलाफ कर रहा है। राष्ट्रपति ने इन अभियानों की पहली बार सार्वजनिक रूप से पुष्टि की, जिसे शुक्रवार तक सार्वजनिक नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, यूक्रेनी बलों ने देश में विकसित और युद्ध में परखे गए इंटरसेप्टर ड्रोन का उपयोग करते हुए विदेशों में सक्रिय अभियानों में भाग लिया। ये इंटरसेप्टर ड्रोन यूक्रेन में रूस द्वारा इस्तेमाल ईरान-निर्मित ड्रोन का मुकाबला करने में कारगर साबित हुए हैं। ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खातिबजादेह का कहना है कि अमेरिकी जहाज भी होर्मुज से गुजर सकते हैं, बशर्ते अमेरिका शत्रुता छोड़ दे। खातिबजादेह ने ईरानी मीडिया को बताया कि होर्मुज खुला है, लेकिन तकनीकी कारणों से जहाजों के लिए ईरानी सेनाओं के साथ संपर्क बनाए रखना जरूरी है। हम होर्मुज में अपने सुरक्षित मार्गों के माध्यम से उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगे। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की आलोचना करते हुए कहा था कि वह होर्मुज जलमार्ग से तेल परिवहन में बहुत खराब व्यवस्था कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह वह समझौता नहीं है जो हमारे बीच हुआ था।

महिला आरक्षण विधेयक पर अपना रुख तय करेगा विपक्ष, 15 अप्रैल को होगी बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला आरक्षण कानून पर सरकार के प्रस्तावित संशोधनों पर एक साझा रुख तय करने के लिए 15 अप्रैल को विपक्षी दलों की एक बैठक बुलाई गई है। इसके साथ ही, कांग्रेस कार्यसमिति ने शुक्रवार को 16-18 अप्रैल तक चलने वाले संसद के विशेष सत्र के लिए एक संयुक्त रणनीति पर भी फैसला किया। समिति ने 2026 की जनगणना और परिसीमन को आरक्षण के इस उपाय से अलग करने के कदम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। साथ ही, उसने बीजेपी पर जाति जनगणना को नाकाम करने की कोशिश करने और चुनाव प्रचार के दौरान संसद का संत्र रखकर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। ऐसी उम्मीद है कि विपक्ष सरकार के प्रस्ताव में संशोधन पेश कर सकता है।

कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की : विशेष सत्र से एक हफ्ता पहले विपक्ष के साथ प्रस्तावित संशोधन साझा न करने के लिए सरकार की विशेष आलेचना की। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार राजनीति कर रही है। कहा जाता है कि सचिन पायलट ने यह तर्क दिया 'परिसीमन' को 2026 की जनगणना पर आधारित करने से ओबीसी महिलाओं के लिए एक उप-कोटा बनाने में मदद मिलेगी। मनीष तिवारी और मुकुल वासनिक ने कथित तौर पर यह तर्क दिया कि सरकार लोकसभा और विधानसभाओं में सीटों की संख्या तय नहीं कर सकती और फिर परिसीमन की मांग नहीं कर सकती।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण का किया समर्थन : कुछ सदस्यों ने तर्क दिया कि कांग्रेस महिलाओं के लिए आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन 'जनगणना-परिसीमन- महिलाओं के लिए के लिए कोटा' की संवैधानिक प्रक्रिया के क्रम का पालन किया जाना चाहिए। जानकारी के अनुसार, सोनिया गांधी ने आगाह किया कि पार्टी को इस प्रस्ताव का विरोध करने हुए नहीं दिखना चाहिए।

साहिबाबाद के न्यायखंड-एक में सीवर ओवरफ्लो से जलभराव, आवागमन बाधित होने से लोग परेशान

साहिबाबाद, एजेंसी। न्यायखंड एक में सीवर और नाला ओवरफ्लो होने से शुक्रवार को सुपरटेक आइकन सोसायटी और मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बाहर जलभराव हो गया। इससे आवागमन के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुपरटेक आइकन सोसायटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मनोज ठाकुर ने बताया कि सीवर लाइन डाल दी गई है, लेकिन अभी उसे सोसायटी से कनेक्ट नहीं किया गया है। इस कारण सीवर लगातार ओवरफ्लो हो रहा है। नाला निर्माण कार्य भी चल रहा है। दो दिन से पंप खराब होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो सकी। मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के पास नाला चोक है। इसके चलते शुक्रवार को सुपरटेक आइकन सोसायटी और मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बाहर जलभराव हो गया। इससे आवागमन के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का सोसायटी से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। जलभराव के कारण सुपरटेक आइकन सोसायटी, जनता फ्लैट, पत्रकार विहार, वीथ्री एस, गौर ग्रीन विस्टा सोसायटी के निवासी मुसीबत झेल रहे हैं। नगर निगम जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि मौके पर टीम को भेजकर समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

फरीदाबाद विकास प्राधिकरण की नई योजना पर काम शुरू, माइक्रो एसटीपी से बुझेगी पार्कों की प्यास

फरीदाबाद, एजेंसी। अब ग्रीनबेल्ट व पार्कों में एसटीपी से साफ हुए पानी से सिंचाई होगी। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की शहर में 12 माइक्रो एसटीपी लगाने की योजना पर धरातल पर काम शुरू होने वालाा है। एसटीपी बनाने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द एक एजेंसी फाइनल कर इसे वर्क अलॉट किया जाएगा। याद रहे कि मंत्री बनने के बाद विपुल गोयल ने इस परियोजना को बनाने के लिए कहा था। लेकिन सालभर से अधिक समय होने के बाद भी परियोजना कागजों में रही। वहीं, पिछले दिनों मंत्री ने अधिकारियों से इस परियोजना की अपडेट जानकारी ली। इसके बाद जल्द काम शुरू कराने के लिए कहा। वैसे इस परियोजना का मकसद पेयजल आपूर्ति की बचत करना था और सीवर के साफ पानी से पार्क व ग्रीनबेल्ट की सिंचाई करना है। प्राधिकरण द्वारा 12 माइक्रो एसटीपी लगाए जाने हैं। इन एसटीपी से सेक्टर-9, 10, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 29, 30, 31, 32, 34, 35 और 37 के पार्क व ग्रीनबेल्ट कनेक्ट होंगे। यानी पार्क के अंदर 500 किलोलीटर प्रतिदिन क्षमता वाला एसटीपी बनया जाएगा। जिसके पानी से सेक्टरों में हरियाली रहेगी। फिलहाल पार्क व ग्रीनबेल्ट में सिंचाई के लिए पेयजल का प्रयोग किया जाता है। इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ रहा है। साथ ही मांग व आपूर्ति में अंतर बढ़ता जा रहा है।

MPRRDA में 18.59 करोड़ का डामर घोटाला उजागर

रीवा-मऊगंज में बड़ा खेल, EOW ने 44 अफसर-ठेकेदारों पर की FIR

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास निगम MPRRDA की परियोजना इकाइयों रीवा और मऊगंज में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हुए सड़क निर्माण कार्यों में 18.59 करोड़ रुपये के बड़े डामर घोटाले का खुलासा हुआ है। इस बहुचर्चित मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (EOW) रीवा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 44 अधिकारियों कर्मचारियों और ठेकेदारों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज प्रकरण में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7सी के तहत अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं। यह कार्रवाई महालेखाकार (CAG) की ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर की गई है जिसमें वर्ष 2017 से 2021 के बीच प्रदेशभर में डामर खरीदी में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का खुलासा हुआ था।

फर्जी इनवॉइस से करोड़ों की हेराफेरी: जांच में सामने आया कि ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से डामर खरीदी के नाम पर फर्जी इनवॉइस तैयार किए गए। नियमों के अनुसार डामर की खरीदी इंडियन ऑयल जैसी अधिकृत पेट्रोलियम कंपनियों से होनी थी लेकिन कागजों में दिखाए गए डामर की आपूर्ति वास्तव में कभी साइट तक पहुंची ही नहीं। एक ही इनवॉइस का कई बार उपयोग कर करोड़ों रुपये का भुगतान निकाल लिया गया। ईओडब्ल्यू के अनुसार रीवा जिले में 12 करोड़ 71 लाख 6 हजार 372 रुपये और मऊगंज में 5 करोड़ 88 लाख 26 हजार 713 रुपये की वित्तीय अनियमितता की गई। यह पूरा खेल योजनाबद्ध तरीके से कूटरचना और धोखाधड़ी के जरिए अंजाम दिया गया।

44 आरोपी, कई बड़े नाम शामिल: रीवा जिले में 27 और मऊगंज में 17 आरोपियों को नामजद किया गया है। इनमें तत्कालीन महाप्रबंधक, सहायक प्रबंधक, उपयंत्री और कई बड़े ठेकेदार शामिल हैं। प्रमुख आरोपियों में राजीव कुमार दवे, कैलाश कुमार सोनी, जुगल किशोर गुप्ता, रामकुमार तिवारी, मोहम्मद शाहनवाज, प्रकाश त्रिपाठी सहित कई अधिकारी-कर्मचारी और निर्माण कंपनियों के संचालक शामिल हैं।

CAG रिपोर्ट में पहले ही हुआ था खुलासा: महालेखाकार की ऑडिट रिपोर्ट में रीवा जिले के पीआईयू-1 और पीआईयू-2 के कई पैकेजों में संदिग्ध चालानों के जरिए भुगतान का उल्लेख किया गया था। पीआईयू-1 में 105 संदिग्ध चालानों के माध्यम से 9.03 करोड़ रुपये और पीआईयू-2 में 65 चालानों के जरिए 5.21 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इन कार्यों में कई निर्माण कंपनियों और ठेकेदारों के नाम सामने आए हैं जिनमें शांति कंस्ट्रक्शन, एमपी बिल्डर्स, शिवशक्ति कंस्ट्रक्शन, मैहर सीमेंट पाइप, बानको कंस्ट्रक्शन सहित अन्य शामिल हैं।

पहले हुई लीपापोती, अब सख्ती: इस घोटाले को लेकर पहले भी विधानसभा और पीएमओ स्तर तक शिकायतें पहुंची थीं लेकिन उस समय विभागीय स्तर पर मामले को दबाने और लीपापोती करने के आरोप लगे थे ठेकेदारों को केवल नोटिस देकर जवाब ले लिया गया और कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी गई। हालांकि अब ईओडब्ल्यू की सख्त कार्रवाई से पूरे मामले में हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसी का कहना है कि सभी आरोपियों की भूमिका की गहराई से जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज : वार्ड-पंचायत कमेटियों का गठन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा विधानसभा के चिरहुला ब्लॉक अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन अभियान प्रदेशभर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अभियान के तहत वार्ड एवं पंचायत स्तर पर कमेटियों का गठन किया जा रहा है जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है प्रदेश जिला और ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जिससे संगठन की सक्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। रामकीर्ति शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस की बढ़ती ताकत से घबराकर कार्यकर्ताओं को डराने और प्रताड़ित करने का प्रयास कर रही है। बावजूद इसके जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस का जमीनी कार्यकर्ता खुद को सुरक्षित और सशक्त महसूस कर रहा है। उन्होंने बताया कि संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश में जिला शहर कांग्रेस अध्यक्षों एवं ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति पूरी कर ली गई है अब जिला और ब्लॉक स्तर की कांग्रेस कमेटियां मजबूत होकर संगठनात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित कर रही हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार ब्लॉक स्तर पर शहरी क्षेत्रों में वार्ड कमेटियों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत कमेटियों का गठन तेजी से किया जा रहा है सभी ब्लॉकों को मंडलम एवं जोन स्तर पर विभाजित कर व्यवस्थित तरीके से संगठन विस्तार का कार्य किया जा रहा है। चिरहुला ब्लॉक में वार्ड एवं पंचायत कमेटियों का गठन लगभग पूर्ण हो चुका है। मंडलम स्तर पर बैठकों के माध्यम से सर्वसम्मति से अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। साथ ही उन्हें कांग्रेस की नीतियों से अवगत कराया जाएगा।

पत्रकार विकास दुबे छेड़छाड़ मामले में गिरफ्तार :

गिरफ्तारी से पहले मारपीट का आरोप, अज्ञात पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में भाजपा की एक महिला पदाधिकारी से छेड़छाड़ और मानसिक प्रताड़ना के मामले में नया मोड़ आया है विंध्यनगर थाना पुलिस ने इस मामले में आरोपी पत्रकार विकास दुबे को बीती रात गिरफ्तार कर लिया महिला पदाधिकारी की शिकायत पर विकास दुबे के खिलाफ पहले ही गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया था इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया। गिरफ्तारी से पहले पत्रकार विकास दुबे ने खुद को पीड़ित बताया। उन्होंने दावा किया कि तीन अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट की है दुबे ने अपने शरीर पर चोट के निशान भी दिखाए और आरोप लगाया कि यह हमला महिला नेत्री की साजिश का हिस्सा था विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने बताया कि महिला नेत्री द्वारा दर्ज कराए गए प्रकरण में गंभीर धाराएं लागू होने के कारण आरोपी को गिरफ्तार किया गया है उन्होंने यह भी बताया कि विकास दुबे की मारपीट की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट का आरोप: महिला पदाधिकारी ने आरोप लगाया था कि विकास दुबे पिछले एक महीने से सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट कर मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक दिन दुबे ने कथित तौर पर अश्लील हरकत की थी फिलहाल पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। एक तरफ छेड़छाड़ और प्रताड़ना के आरोपों की पड़ताल की जा रही है वहीं दूसरी तरफ पत्रकार विकास दुबे के साथ हुई मारपीट के मामले में भी सच्चाई सामने लाने के प्रयास जारी हैं।

144 भूमिस्वामियों को 3.43 करोड़ मुआवजा, विकास परियोजनाओं को मिली रफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में विकास एवं निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के उद्देश्य से प्रशासन ने भू-अर्जन प्रक्रिया में तेजी लाते हुए बड़ी कार्रवाई की है कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में विभिन्न परियोजनाओं के तहत 144 भूमिस्वामियों को कुल 3 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक की मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है। भू-अर्जन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 25 मार्च 2026 से 10 अप्रैल 2026 के बीच रीवा-सीधी-सिंगरौली रेलवे परियोजना के अंतर्गत 114 भूमिस्वामियों को 3 करोड़ 20 लाख रुपये से अधिक की राशि वितरित की गई। यह परियोजना क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने और विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी इसी क्रम में महान नहर परियोजना के अंतर्गत 24 भूमिस्वामियों को 20 लाख 19 हजार रुपये से अधिक का मुआवजा प्रदान किया गया है, जिससे क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार संभव होगा। वहीं लोक निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं के तहत 6 भूमिस्वामियों को 3 लाख 41 हजार रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से सड़क और आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी। प्रशासन द्वारा भू-अर्जन प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है जिससे प्रभावित भूमिस्वामियों को शीघ्र मुआवजा मिल सके और विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। कलेक्टर विकास मिश्रा ने निर्देश दिए हैं कि सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि जिले में संचालित प्रमुख परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जा सके ।

छात्राओं का 10 किमी तक पीछा किया, मनचलों की दबंगई पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के हनुमानगढ़ तिराहा पर एक घटना सामने आई। कॉलेज से घर लौट रही छात्राओं का बाइक सवार तीन युवकों ने करीब 10 किलोमीटर तक पीछा किया और उनके साथ छेड़खानी की छात्राओं ने हिम्मत दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से तीनों आरोपियों को पकड़वा दिया जिसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया पुलिस के अनुसार छात्राएं बस से अपने गांव लौट रही थीं। सीधी से ही बाइक सवार तीन युवक जानू साकेत, धर्मेंद्र साकेत और लक्ष्मण साकेत लगातार उनका पीछा करते रहे। जब छात्राएं हनुमानगढ़ तिराहा के पास बस से उतरीं तो तीनों युवकों ने उन्हें घेर लिया और मोबाइल नंबर मांगने लगे। छात्राओं द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने उनका हाथ पकड़ लिया और उनके साथ अभद्र व्यवहार करने लगे इस घटना से सहमी छात्राएं जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे पीड़ित छात्राओं ने पूरी घटना बताई जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तीनों युवकों को मौके पर ही पकड़ लिया छात्राओं ने भी इस दौरान हिम्मत दिखाते हुए मनचलों का विरोध किया। प्रत्यक्षदर्शी रामू कोल ने बताया कि लड़कियों के शोर मचाते ही ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और आरोपियों को छात्राओं से अलग किया इसके बाद उन्हें पकड़कर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सेमरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया थाना प्रभारी केदार परौहा ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों को जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

खेत-तालाब निर्माण को लेकर विवाद :रात में जेसीबी से खुदाई का आरोप, कलेक्टर से शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम कोस्टा कोठार में खेत तालाब निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि राजीव पांडे के खेत में तालाब बनाने का काम देर रात करीब 1 बजे शुरू किया गया ग्रामीणों ने मनरेगा के तहत मजदूरों से कराए जाने वाले इस कार्य को जेसीबी मशीन से कराने पर सवाल उठाए हैं। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत सीधे कलेक्टर विकास मिश्रा से की। ग्रामीणों का आरोप है कि खेत तालाब योजना के तहत पहले भी कई बार राशि निकाली जा चुकी है लेकिन मौके पर कोई काम नहीं हुआ। अब जब मामला सामने आने लगा तो रोजगार सहायक सत्य प्रकाश पांडे ने आनन-फानन में निर्माण कार्य शुरू करा दिया। गांव के पूर्व सरपंच रमेश कुमार बंसल ने इसे भ्रष्टाचार का मामला बताया उन्होंने आरोप लगाया कि गांव में लगातार अनियमितताएं हो रही हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे बंसल ने वर्तमान सरपंच कलावती रावत और रोजगार सहायक की मिलीभगत से यह कार्य कराए जाने का भी आरोप लगाया। ग्रामीणों के अनुसार, जेसीबी से काम कराने का उद्देश्य मजदूरों के नाम पर फर्जी भुगतान दिखाना और सरकारी राशि का गबन करना है इससे मनरेगा योजना के तहत स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की शासन की मंशा भी प्रभावित हो रही है दूसरी ओर रोजगार सहायक सत्य प्रकाश पांडे ने सभी आरोपों को खारिज किया है उनका कहना है कि कार्य पूरी तरह नियमों के अनुसार किया जा रहा है और कुछ लोग उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

कुसमी में शिक्षकों का प्रदर्शन पुरानी पेंशन बहाली की मांग, भोपाल में प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कुसमी ब्लॉक में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में एकत्रित हुए शिक्षकों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सीएम के नाम नायब तहसीलदार दीनबंधु प्रजापति को ज्ञापन दिया। ब्लॉक संयोजक मोहन लाल पनिका के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में शिक्षकों ने प्रमुख रूप से तीन मांगें रखी हैं। इसमें पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता प्रदान करने और टीईटी परीक्षा निरस्त करने की मांग शामिल है।

18 अप्रैल को भोपाल कूच का ऐलान: प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने मंच से घोषणा की है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे 18 अप्रैल 2026 को राजधानी भोपाल में आयोजित होने वाले प्रदेशव्यापी आंदोलन में शामिल होंगे। कुसमी ब्लॉक से बड़ी संख्या में शिक्षकों के भोपाल पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार पर उपेक्षा का लगाया आरोप: शिक्षक नेताओं का कहना है कि लगातार संवाद और ज्ञापनों के बावजूद सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। मोर्चा पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो ब्लॉक स्तर से शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन पूरे प्रदेश में उग्र रूप धारण करेगा।

बरौंधा वन रेंज में नाले में मिला मृत तेंदुआ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बरौंधा वन रेंज में शनिवार सुबह एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। सतना-कालिंजर हाईवे पर सड़क किनारे नाली में मिले इस नर तेंदुए का वन विभाग ने पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार कर दिया। रेंजर बृजेन्द्र पांडेय ने बताया कि कौहारी सर्किल की बीट कठवरियां के कक्ष क्रमांक पी 163 में यह घटना हुई। सूचना मिलने पर वन अमला मौके पर पहुंचा सतना से डॉग स्क्वॉड और पन्ना नेशनल पार्क से डॉक्टरों की टीम को भी बुलाया गया मृत तेंदुए की उम्र लगभग 5 वर्ष बताई गई है। पोस्टमार्टम में उसके सभी अंग सुरक्षित पाए गए डॉग स्क्वॉड टीम ने आसपास के क्षेत्र की तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध स्थिति नहीं मिली।

मड़वास कॉलेज में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' का शुभारंभ, संवाद कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' का विधिवत शुभारंभ किया गया। 10 से 25 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले इस विशेष पखवाड़े के प्रथम चरण (10 से 13 अप्रैल) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें वार्ड क्रमांक 10 की जनपद सदस्या सुमन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. निशा सिंह ने 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्राओं को समाज में महिलाओं की बदलती और सशक्त होती भूमिका के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यह पखवाड़ा केवल उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुमन सिंह ने अपनी राजनीतिक यात्रा साझा की और छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं लेकिन अभी भी उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में शिक्षा, आत्मविश्वास और जागरूकता के माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकती हैं उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी संजय सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं तब समाज और राष्ट्र दोनों सशक्त बनते हैं। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने और निभाने की सीख दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य गोपाल चौरसिया ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ाना समय की प्रमुख आवश्यकता है। इससे न केवल महिलाओं में आत्मनिर्भरता का विकास होगा, बल्कि वे नेतृत्व की भूमिका में भी आगे आएंगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक अग्निहोत्री द्वारा किया गया। इस दौरान बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमारी ओमश्री श्रीवास्तव ने अपनी प्रभावशाली कविता प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भावनात्मक ऊंचाई प्रदान की। उनकी पंक्तियां- 'चली आई जमाने की रीत को अब बदलना जरूरी है बहुत हो गया गौरी का रूप अब काली बनना जरूरी है '-ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया।

धनहा में श्रमिकों के लिए रैन बसेरा निर्माण का भूमिपूजन,

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम धनहा में मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, भोपाल द्वारा श्रमिक रैन बसेरा निर्माण योजना के तहत 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाले रैन बसेरा भवन का भूमिपूजन सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार श्रमिकों, गरीबों और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार भी श्रमिकों के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है। श्रमिक रैन बसेरा योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है जो श्रमिकों को सुरक्षित आवास के साथ सम्मानजनक जीवन जीने में सहायक होगी। सांसद ने कहा कि कार्य के सिलसिले में गांवों से दूर आने वाले श्रमिकों को रात्रि विश्राम के लिए अक्सर सुरक्षित स्थान नहीं मिल पाता। ऐसे में यह रैन बसेरा उनके लिए आश्रय का कार्य करेगा, जहां स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विश्राम और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी इससे श्रमिकों के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता में भी सुधार होगा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए, ताकि श्रमिकों को जल्द लाभ मिल सके।

समता की आस्था: कोई भी भेदभाव धर्म के मर्म के विरुद्ध

संपादकीय

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो। छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व महिला व पुरुष का भेद कभी उनके कालखंड में सामने नहीं आया।

सडकों पर ठहरी हुई ज़िंदगी: क्या हम इन मासूम बच्चों का बचपन देख पा रहे हैं?

दिलीप कुमार पाठक

12 अप्रैल अंतर्राष्ट्रीय सड़क बाल दिवस)

शहरों की चकाचौंध भरी सड़कों पर दौड़ती गाड़ियाँ और काँच की ऊँची इमारतों से झाँकती कृत्रिम रोशनी विकास का बड़ा दावा करती हैं। लेकिन इसी चमक-धमक के बीच, ट्रैफिक सिग्नल की लाल बत्ती पर कुछ नन्हे हाथ आपकी कार के शीशे थपथपाते हैं। कोई हाथ में रंगीन गुब्बारे लिए खड़ा है, तो कोई महज़ चंद रुपयों के लिए पेन या रुमाल आपकी ओर बढ़ा देता है। आज 12 अप्रैल है–अंतर्राष्ट्रीय स्ट्रीट चिल्ड्रेन डे। यह दिन दुनिया भर में उन बच्चों के नाम समर्पित है, जिनका घर कोई चारदीवारी नहीं बल्कि तपती सड़कें और असुरक्षित फुटपाथ हैं। सवाल यह है कि क्या हम इन बच्चों को वाकई देख पा रहे हैं, या इन्हें सड़क के शोर का एक हिस्सा समझकर हर रोज़ नज़रअंदाज़ कर रहे हैं?सड़क पर रहने वाले इन बच्चों के लिए आसमान ही छत है और कंक्रीट का फुटपाथ ही बिछौना। इनके हिस्से में बचपन के खिलौने नहीं, बल्कि वह उत्तरदायित्व है जिसे उठाने की उम्र अभी इनकी हुई भी नहीं। एक तरफ जहाँ हम डिजिटल इंडिया और विश्व गुरु बनने का संकल्प दोहराते हैं, वहीं दूसरी ओर देश के हज़ारों बच्चे कूड़ा बीनने या भीख माँगने को विवश हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया भर में लगभग 15 करोड़ बच्चे सड़कों पर अपना जीवन गुजार रहे हैं। भारत के संदर्भ में यह आंकड़ा और भी डराने वाला है। सेव द चिल्ड्रन के एक सर्वे के अनुसार, अकेले भारत के बड़े शहरों में करीब 20 लाख से अधिक बच्चे ऐसे हैं जिनका कोई स्थायी ठिकाना नहीं है। ये वे बच्चे हैं जो जनगणना के पन्नों से भी अक्सर गायब रह जाते हैं। इन बच्चों की दुनिया अभावों और असुरक्षा से भरी है। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषण का शिकार हैं और लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को कभी स्कूल जाने का सौभाग्य ही नहीं मिला। शिक्षा का अधिकार कानून कागजों पर तो बहुत मज़बूत दिखता है, लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल की घंटी से कहीं ज़्यादा अहमियत ट्रैफिक सिग्नल की लाल बत्ती रखती है। उनके लिए पेट की भूख, अक्षरों की भूख से कहीं बड़ी और तात्कालिक है। विडंबना देखिए, जिस उम्र में उन्हें स्कूल के बस्ते का बोझ उठाना चाहिए था, उस उम्र में वे पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ अपने कोमल कंधों पर ढो रहे हैं। समस्या केवल आर्थिक तंगी की नहीं है, बल्कि उस सामाजिक उदासीनता की भी है जो इन्हें अपराधी या नशेड़ी मानकर हाशिए पर धकेल देती है। सड़कों पर रहने के कारण ये बच्चे शारीरिक शोषण और मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों के आसान निशाने पर होते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि लापता होने वाले बच्चों में एक बड़ी संख्या इन्हीं स्ट्रीट चिल्ड्रेन की होती है, जिनका कोई रिकॉर्ड न होने के कारण उन्हें खोजना लगभग नामुमकिन हो जाता है। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या केवल संवेदना प्रकट कर देने से इनका भाग्य बदल जाएगा? समाधान के लिए हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले सरकार को मल्टी-एजेंसी मॉडल पर काम करना होगा, जहाँ पुलिस, बाल कल्याण समितियाँ और नगर निगम मिलकर इन बच्चों का डेटा तैयार करें। केवल आधार कार्ड न होने की वजह से इन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित रखना इनके मानवाधिकारों का हनन है। इनके लिए मोबाइल स्कूलों की व्यवस्था करनी होगी, जो वहीं पहुँचें जहाँ ये बच्चे रहते हैं। कौशल विकास के छोटे-छोटे केंद्र शुरू किए जाने चाहिए ताकि ये बच्चे भीख माँगने के बजाय हुनर सीख सकें। समाज के तौर पर हमारी भी एक नैतिक जवाबदेही है। हम अक्सर इन्हें देखकर अपनी गाड़ी का शीशा चढ़ा लेते हैं या कुछ सिक्के फेंक कर अपना फर्ज़ पूरा समझ लेते हैं। लेकिन इन्हें सिक्कों की नहीं, सम्मान और संभावना की ज़रूरत है। हमें भिक्षा नहीं, शिक्षा के मंत्र को आत्मसात करना होगा। पैसे देने के बजाय हम उनके लिए पास के किसी सरकारी स्कूल में दाखिले की प्रक्रिया शुरू करवा सकते हैं या उन्हें भोजन और कपड़े उपलब्ध कराने वाली भरोसेमंद संस्थाओं से जुड़ सकते हैं। स्थानीय स्तर पर मोहल्ला समितियों को इन बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा उठाना होगा ताकि वे किसी असामाजिक गिरोह के हत्थे न चढ़ें।

सोशल मीडिया : जब मानव ही उत्पाद बन गया

दीपक द्विवेदी

कभी कहा जाता था मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसका जीवन प्रकृति की लय पर चलता था। वह पंचतत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बना था और इन्हीं में लौट जाने की विनम्रता उसके भीतर थी। उसके सुख-दुःख ऋतुओं की तरह आते-जाते थे, और उसके संबंध नदी के जल की तरह बहते थे, स्वाभाविक, जीवंत और स्पर्श से भरे हुए। उस समय मनुष्य का अस्तित्व उसके रिश्तों से परिभाषित होता था, न कि उसकी प्रोफाइल से। वह अपने पिता की आवाज़ में, माँ के स्पर्श में, मित्र के कंधे पर रखे हाथ में और गाँव की चौपाल में अपनी पहचान पाता था।

परन्तु धीरे-धीरे समय बदला। औद्योगिक क्रांति आई, पूँजीवाद आया, और मनुष्य का मूल्य उसके श्रम से मापा जाने लगा। वह सामाजिक प्राणी से अधिक आर्थिक प्राणी बन गया। उसका समय बिकने लगा, उसकी मेहनत बिकने लगी, और उसके श्रम से लाभ कमाया जाने लगा।

आज डिजिटल युग में, परिवर्तन और भी गहरा हो गया है। अब केवल मनुष्य का श्रम ही नहीं, बल्कि उसका स्वयं उसकी पहचान, उसकी भावनाएँ, उसके रिश्ते, उसकी कहानियाँ भी बाजार का हिस्सा बन चुके हैं।

डिजिटल दुनिया का अदृश्य खनन

आज का मनुष्य सुबह उठते ही अपने फोन को देखता है। वह सोचता है कि वह दुनिया से जुड़ रहा है। परन्तु सच यह है कि उसी क्षण से उसका खनन शुरू हो चुका होता है। हर डिजिटल कंपनी उसकी हर गतिविधि पर नज़र रख रही है , उसकी तस्वीर , उसकी उम्र , उसका पहनावा , उसकी मुस्कान और उसकी उदासी , उसके मित्र , उसकी बातचीत , उसकी पसंद और उसकी आदतें आदि यह सब केवल जानकारी नहीं है, यह डिजिटल खदान से निकाला गया कच्चा माल है। मनुष्य सोचता है कि वह इन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर रहा है, परन्तु वास्तविकता में वह स्वयं एक उत्पाद बन चुका है। जैसे खदान से कोयला या हीरा निकाला जाता है, वैसे ही डिजिटल दुनिया से मनुष्य की पहचान और उसका व्यवहार निकाला जा रहा है।

भीड़ के बीच अकेला मनुष्य :आज यदि कोई व्यक्ति अपने दुःख - सुख को सोशल मीडिया पर साझा करता है, तो हजारों लोग लाइक करते हैं, कमेंट करते हैं, संवेदना व्यक्त करते हैं। परन्तु क्या कोई हाथ उसके कंधे पर रखा जाता है? क्या कोई आँख उसकी आँखों में देखकर कहती है मैं तुम्हारे साथ हूँ? डिजिटल दुनिया में उसके पास हजारों लोग उसके पास हैं, परन्तु वास्तविक जीवन में वह अक्सर अकेला है। उसकी डिजिटल दुनिया सुंदर है,चमकदार, रंगीन, आकर्षक है, परन्तु उसके भीतर एक खालीपन है, एक मौन है, जिसे कोई एल्गोरिदम नहीं समझ सकता।

जब पहचान डेटा बन गई :एक समय था जब मनुष्य की पहचान उसके व्यक्तित्व से होती थी। आज उसकी पहचान एक एल्गोरिदमिक प्रोफाइल बन गई है। उसकी खरीदारी, उसका क्रेडिट स्कोर, वह क्या देखता है, क्या खाता है, कहाँ जाता है, यह सब मिलकर एक डिजिटल मनुष्य का निर्माण करते हैं। यदि वह एक फिटनेस ऐप डाउनलोड करता है, तो वह सोचता है कि वह अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख रहा है, परन्तु उसी समय उसकी नींद का समय, उसकी लोकेशन, उसकी आदतें सब रिकॉर्ड हो रही हैं। निजता अब बंद कमरे की दीवार नहीं रही; वह एक पारदर्शी काँच बन गई है, जिसके आर-पार सब कुछ दिखाई देता है।

कहानियाँ: नया व्यापार :आज कोई भी घटना चाहे वह कितनी ही व्यक्तिगत क्यों न हो कुछ ही मिनटों में पूरी दुनिया तक पहुँच सकती है। उसकी हर कहानी की एक कीमत है। आज कहानियाँ ही नया व्यापार हैं। इसे स्टोरी इकॉनमी कहा जा सकता है। जितनी अधिक आपकी दृश्यता बढ़ती है, उतना ही आपका डिजिटल मूल्य बढ़ता है। आप धीरे-धीरे एक व्यक्ति से अधिक एक डेटा पैकेज बन जाते हैं।

मशीन और मनुष्य के बीच धुंधली होती रेखा :अब इस कहानी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी प्रवेश कर चुकी है। आज AI आधारित प्रणालियाँ जैसे ChatGPT , GRok और अन्य डिजिटल सहायक आपसे बात कर सकते हैं, आपको समझ सकते हैं, आपको सलाह दे सकते हैं। अब तो क्लॉउड़े कोवर्क के आने से अब मानव शायद कुछ करने की आवश्यकता ही न पड़े। अब पहचान केवल जन्म से नहीं, बल्कि प्रदर्शन से तय होने लगी है। सोशल मीडिया ने एक नया सत्य स्थापित कर दिया है, दिखना ही अस्तित्व है।

प्रसारण बन गया जीवन :इन्फ्लुएंसर अपनी जिंदगी साझा करते हैं। लोग लाइक और फॉलो के लिए अपनी निजी बातें सार्वजनिक करते हैं। धीरे-धीरे पहचान प्रदर्शन बन जाती है , ध्यान मुद्रा (करेंसी) बन जाता है, दर्शक बाजार बन जाते हैं और जीवन एक निरंतर प्रसारण बन जाता है।

सबसे बड़ा विरोधाभास :यह डिजिटल दुनिया एक अवसर भी है। यह मनुष्य को अपनी कला, अपने विचार और अपनी पहचान को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर देती है। परन्तु यह एक खतरा भी है क्योंकि अब उसकी हर गतिविधि रिकॉर्ड हो रही है। उसकी निजी जिंदगी भी बाजार का हिस्सा बन गई है। आज का मनुष्य पहले मजदूर था, फिर उपभोक्ता बना, और अब स्वयं एक उत्पाद बन गया है।

क्या हम अपना 'स्वयं' खो रहे हैं? एक समय था जब दादा-दादी/ नाना-नानी की कहानियाँ हमें जीवन का अर्थ सिखाती थीं, समाज से जुड़ाव सिखाती थी , आज कहानियाँ स्क्रीन से आती हैं। इसीलिए एक समय था जब किसी अपने के दुःख पर आँखों से आँसू निकल आते थे। आज हम केवल सेड इमोजी (Sad Emoji) भेजते हैं, आज हमें क्या हो गया है ? क्या हमारी संवेदनाएँ कमजोर हो रही हैं? क्या हमारा जुड़ाव समाप्त हो रहा है?आज आंसू सुख गए है , आज हम लोगो के दुःख दर्द को सुनकर उसकी ओर दौड़ नहीं पाँते है ? क्या हम सचमुच स्वतंत्र हैं या केवल यह भ्रम है?

क्या मनुष्य अब भी मनुष्य है?

आज दुनिया की दिशा कुछ डिजिटल कंपनियाँ और एल्गोरिदम तय कर रहे हैं। वे तय करते हैं आप क्या देखेंगे , आप क्या सोचेंगे , आप क्या खरीदेंगे और धीरे-धीरे, आप वही बन जाते हैं जो वे चाहते हैं। आपको लगता है कि आप निर्णय ले रहे हैं, परन्तु वास्तव में निर्णय पहले ही आपके लिए चुना जा चुका होता है।

आशा का मार्ग

अभी सब कुछ समाप्त नहीं हुआ है। मनुष्य अब भी मशीन से बड़ा है। उसकी संवेदनाएँ, उसका स्पर्श, उसका प्रेम यह सब किसी एल्गोरिदम से परे है। यदि हम यह भूल गए, तो हम जीवित होते हुए भी निर्जीव हो जाएँगे एक ऐसी कठपुतली, जो सोचती है कि वह स्वतंत्र है, परन्तु जिसकी डोर कहीं और से नियंत्रित हो रही है और यदि हम यह याद रख पाए, तो शायद हम डिजिटल दुनिया का उपयोग करेंगे परन्तु स्वयं उसका उत्पाद नहीं बनेंगे। प्रश्न यह नहीं है कि डिजिटल दुनिया हमारे जीवन में है या नहीं। प्रश्न यह है क्या हम अब भी अपने जीवन में हैं?

इतिहास साक्षी है कि मनुष्य ने हर युग में अपने अस्तित्व को बचाने का मार्ग खोजा है। डिजिटल दुनिया भी अपवाद नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य तकनीक का स्वामी बना रहे, उसका दास न बने। उसे यह स्मरण रखना होगा कि उसकी वास्तविक पहचान उसके प्रोफाइल में नहीं, बल्कि उसके प्राण में है; उसके डेटा में नहीं, बल्कि उसके दिल में है।

भविष्य की दिशा यही है कि मनुष्य डिजिटल साधनों का उपयोग करे, परन्तु अपने मानवीय संबंधों को उनसे प्रतिस्थापित न होने दे। उसे पुनः संवाद की संस्कृति को जीवित करना होगा आँखों में आँखें डालकर बात करना, बिना कारण मिलना, बिना उद्देश्य साथ बैठना, और बिना किसी डिजिटल माध्यम के एक-दूसरे को महसूस करना क्योंकि मनुष्य की सबसे बड़ी सुरक्षा किसी कानून या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके जीवित संबंधों और जागृत चेतना में निहित है।यदि मनुष्य सजग रहा, तो डिजिटल युग उसकी क्षमताओं का विस्तार बनेगा; परन्तु यदि वह असजग रहा, तो वही युग उसके अस्तित्व को सीमित कर देगा। अंततः प्रश्न तकनीक का नहीं, मनुष्य की चेतना का है। यदि वह अपने भीतर के स्वयं को बचा सका, तो भविष्य उसका होगा; अन्यथा, वह जीवित होते हुए भी केवल एक अदृश्य बाज़ार की खामोश वस्तु बनकर रह जाएगा।

आस्था का बाज़ारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं '–यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं। देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है। आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है–विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक–मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है। वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है।

ललित गर्ग

हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते। यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है। दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है ।

मोंटफोर्ट और बिरला ओपन माइंड स्कूल को नोटिस: मनमाना फीस

वसूली, महंगी किताबें खरीदने के लिए बाध्य करने पर नोटिस जारी की गई

मीडिया ऑडीटर,सरगुजा (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी ने 2 बड़े निजी स्कूल मोंट फोर्ट स्कूल और बिरला ओपन माइंड अंतर्राष्ट्रीय स्कूल को नोटिस जारी कर भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है ये स्कूलों पर निजी प्रकाशकों की मंहगी किताबें-कॉपियों का बंडल खरीदने के लिए बाध्य करने, मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने और सीबीएसई नियमों का उल्लंघन करने का गंभीर आरोप है संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई होगी। सरगुजा में निजी स्कूलों की तरफ से मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने, निजी प्रकाशकों की मंहगी किताबें और ड्रेस कुछ निश्चित दुकानों से खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य करने समेत कई शिकायतें मिली थीं दो दिन पूर्व स्कूलों की जांच की गई इसमें कई शिकायतें मिलीं। डीईओ ने स्कूल संचालकों की बैठक ली थी बैठक में मोंट फोर्ट स्कूल और बिरला ओपन माइंड स्कूल संचालकों ने स्वीकार किया कि वे निजी प्रकाशकों की मंहगी किताबें चला रहे हैं। ये किताबें निश्चित दुकानों में ही उपलब्ध हैं। डीईओ ने मोंट फोर्ट स्कूल प्रबंधन को नोटिस भेजा है जिसमें बताया गया है कि, अभिभावकों की शिकायत की जांच के लिए एसडीएम ने स्कूल का निरीक्षण किया था निरीक्षण के दौरान पैरेंट्स मिटिंग में अभिभावकों ने मनमानी के कई आरोप लगाए थे। स्कूल में कक्षा पहली से 8वीं तक निजी प्रकाशकों की मंहगी किताबें चलाई जा रही हैं। सभी किताबें और कॉपियां आशा बुक डिपो और राणा ब्रदर्स से बंडल बनाकर ही खरीदने अभिभावकों को कहा गया अभिभावकों को मोबाइल मैसेज के जरिए इन दुकानों से ही सामग्री लेने का दबाव बनाया गया। एक अभिभावक ने बताया कि स्कूल ने किताबों की सूची दी और निर्देश दिया कि, कहां से लेना है बंडल पूरा न होने पर या एक-दो किताबें कम होने पर भी स्वीकार नहीं किया गया। निरीक्षण में एफिलिएशन बायलॉज 2018 के क्लॉज का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया। नर्सरी से आठवीं तक केवल निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें पढ़ाई जा रही हैं जबकि 9वीं से 12वीं में भी कुछ ऐसी ही महंगी किताबें अनिवार्य हैं। हर साल एडमिशन फीस वसूली जा रही है जो शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत है। शिक्षा सत्र 2025-26 की तुलना में 2026- 27 में सभी मदों में 5 से 14 प्रतिशत तक फीस बढ़ाई गई स्कूल के सूचना पटल पर यूनिफॉर्म और किताबों की सूची भी प्रदर्शित नहीं है। प्राचार्य/प्रबंधक से दो दिनों में जवाब मांगा गया है। जवाब नहीं मिलने पर 2070 छात्रों से वसूले गए कुल फीस राशि की 50 फीसदी राशि का जुर्माना प्रस्तावित है। बिरला ओपन माइंड स्कूल का निरीक्षण खुद डीईओ ने 10 अप्रैल को किया। निरीक्षण में पहली से आठवीं तक की किताबें किताब घर से बंडल के रूप में क्रय कराया जाना पाया गया। सभी किताबें निजी प्रकाशकों की हैं। स्कूल की तरफ से मनमाना फीस वसूला जा रहा है।

शिवपुरी में पुलिस सड़कों पर उतरी :टीआई ने किया फ्लैग मार्च

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुक्रवार रात कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे के नेतृत्व में पुलिस बल सड़कों पर उतरा पुलिस ने बस स्टैंड से माधव चौक तक पैदल फ्लैग मार्च निकाला और सघन चेकिंग अभियान चलाया, जिससे असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया। इस दौरान थाना प्रभारी दुबे ने पुलिस बल के साथ शहर के संवेदनशील क्षेत्रों का रात्रि भ्रमण किया। पोहरी बस स्टैंड, फतेहपुर चौराहा, सराफा बाजार और माधव चौक सहित प्रमुख स्थानों पर गहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने विशेष रूप से बस स्टैंड क्षेत्र में गहन पड़ताल की इस इलाके में देर रात असामाजिक तत्वों और शराबियों के जमावड़े की शिकायतें लगातार मिल रही थीं अभियान के दौरान बेवजह घूम रहे लोगों से पूछताछ की गई और उनकी संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई। इसके बाद थाना प्रभारी ने अपनी टीम के साथ माधव चौक और अन्य बाजार क्षेत्रों में भी पैदल भ्रमण किया पुलिस वाहनों के सायरन और भारी पुलिस बल की मौजूदगी से शहर में सुरक्षा का माहौल बना वहीं असामाजिक तत्वों में भय का संचार हुआ। थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा उन्होंने चेतावनी दी कि देर रात अनावश्यक रूप से घूमने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

ऑटो पार्ट्स दुकान में लगी आग; 3.5 लाख का सामान खाक

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। कुलामढ़ी रोड स्थित अनय ऑटो पार्ट्स दुकान में शनिवार दोपहर करीब 12:20 बजे अचानक आग लग गई। घटना के वक्त दुकान मालिक शटर बंद कर लंच करने के लिए घर गए हुए थे प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। फायर ब्रिगेड ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है लेकिन इस अग्निकांड में दुकान में रखा करीब 3 से 3.5 लाख रुपए का ऑटो पार्ट्स का सामान जलकर खाक हो गया है जानकारी के अनुसार कुलामढ़ी रोड स्थित अनय ऑटो पार्ट्स के मालिक दोपहर करीब 12:20 बजे दुकान का शटर गिराकर लंच करने घर गए थे। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने शटर के कोने से धुआं निकलता देखा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने जब शटर खोला, तो अंदर से आग की तेज लपटें उठने लगीं अचानक आग भड़कने और धुएं के कारण दुकान के ठीक ऊपर स्थित घर के सदस्य और आसपास के लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलने पर दुकानदार भी मौके पर पहुंच गए फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दुकानदार के मुताबिक वे लंच करने गए थे तभी यह हादसा हुआ इस घटना में करीब 3 से साढ़े 3 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

खाद कालाबाजारी पर कार्रवाई, दो दुकानें सील :गनियारी और तखतपुर में 21 दिन के लिए बिक्री प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। जिले में खाद की कमी के बीच कालाबाजारी की शिकायतें सामने आई हैं किसानों को फसलों के लिए पर्याप्त खाद नहीं मिल पा रहा है, जिससे वे परेशान हैं प्रशासन की टीम ने कालाबाजारी रोकने के लिए दुकानों की जांच की। जांच के दौरान गनियारी और तखतपुर में खाद वितरण में अनियमितताएं पाई गईं इसके बाद कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए इन दोनों दुकानों को सील कर दिया साथ ही इन दुकानों पर खाद बिक्री 21 दिनों के लिए प्रतिबंधित कर दी गई है। खरीफ सीजन के लिए कुल 68,950 मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता है लेकिन सहकारी समितियों के पास अभी केवल 14,406 मीट्रिक टन खाद ही उपलब्ध है।जिले में खाद का स्टॉक वर्तमान में 30 प्रतिशत से भी कम है। कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम ने मेसर्स किसान सेवा केंद्र तखतपुर और मेसर्स अमन कृषि केंद्र गनियारी का औचक निरीक्षण किया जहां खाद वितरण में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं उप संचालक कृषि पीडी हथेश्वर ने बताया कि जांच के दौरान किसान सेवा केंद्र तखतपुर में मशीन स्टॉक में यूरिया 750 बोरी दर्ज थी जबकि भौतिक रूप से 550 बोरी ही पाई गई। इसी प्रकार 200 बोरी यूरिया बिना मशीन में दर्ज किए रखी गई थी। वहीं गनियारी स्थित अमन कृषि केंद्र में मशीन रिकॉर्ड में 1679 बोरी यूरिया दर्ज थी लेकिन मौके पर भौतिक स्टॉक नहीं मिला। अधिकारिक जानकारी के अनुसार दोनों प्रतिष्ठानों में उर्वरक भंडारण एवं वितरण से संबंधित रजिस्टर भी संधारित नहीं पाए गए जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 का उल्लंघन है प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर दोनों दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 21 दिनों के लिए खाद विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कार्रवाई के दौरान दिव्या गौतम सहायक संचालक कृषि, आर.एल. पैकरा प्रभारी, कृषि वि.अ. तखतपुर, खुशबू साहू, उषा ध्रुव उर्वरक निरीक्षक,एवं नरेश चंदेल ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थिति थे।

शोभापुर रोड पर बाइक सवार को कार ने 10 मीटर तक घसीटा, युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया-होशंगाबाद रोड पर दरमियानी रात हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हनुमान मंदिर के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी थाना पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थाने के एसआई एसपी तिवारी ने बताया कि हादसा शोभापुर रोड स्थित हनुमान मड़िया के पास हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक करीब 10 मीटर तक कार के पहिए में फंसकर घिसटता चला गया। सिर फटने और गंभीर चोटें आने के कारण युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया मृतक की पहचान सुहागपुर तहसील के ग्राम अकोला निवासी 44 वर्षीय राजेंद्र पुरविया के रूप में हुई है जानकारी के अनुसार राजेंद्र बाजार से सामान लेकर अपने गांव लौट रहा था तभी वह हादसे का शिकार हो गया। पुलिस ने शव को एंबुलेंस की मदद से पिपरिया अस्पताल पहुंचाया जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर लिया है और दुर्घटनास्थल से कार को अभिरक्षा में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कॉन्स्टेबल ने रिकवरी एजेंट का किया अपहरण, फायरिंग-मारपीट कर महिला पर चलाई गोली

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। दतिया में एक कॉन्स्टेबल ने अपने भाई और साथियों के साथ मिलकर एक रिकवरी एजेंट का अपहरण कर लिया आरोपियों ने डराने के लिए फायरिंग की। एजेंट से मारपीट कर उसे जबरन बोलेरो में बैठा लिया। दतिया पुलिस ने घेराबंदी कर 7 किलोमीटर पीछा किया। 7 किलोमीटर पीछा करने के बाद आरोपी छोटू मांझी और बंटी पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी कॉन्स्टेबल राजपाल मांझी सहित 4 आरोपी फरार हैं पुलिस ने अपहरण और मारपीट का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की जानकारी के मुताबिक बाइक की बकाया किस्त मांगने के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया। जानकारी के मुताबिक दतिया निवासी विजय रावत (21) एक फाइनेंस कंपनी में रिकवरी एजेंट है। विजय को 6 अप्रैल को बाइक नंबर एमपी 32 एमएच 8513 जब्त करने का टास्क मिला था बाइक को बद्री बाथम ने फाइनेंस कराया था लेकिन किस्तें जमा नहीं की थीं विजय ने बद्री को सेंवढ़ा चुंगी पर पकड़ लिया जिला अस्पताल के सामने ऑफिस लाया जहां कर्मचारियों ने बाइक जब्त कर ली। विजय रावत राधेश्याम एमपी ऑनलाइन सेंटर पर बैठा था इसी दौरान सफेद रंग की बोलेरो से 6 लोग वहां पहुंचे। इनमें पटवारी आतम सिंह का बेटा छोटू मांझी, उसका भाई और दिनारा थाने में पदस्थ कॉन्स्टेबल राजपाल मांझी, बंटी मुसलमान सहित अन्य लोग शामिल थे आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज करते हुए विजय और वहां मौजूद लोगों से मारपीट शुरू कर दी बीच-बचाव करने आए एमपी ऑनलाइन संचालक हिमांशु यादव को भी पीटा। आरोपियों ने दुकान में रखे कम्प्यूटर, सीपीयू और लैपटॉप में तोड़फोड़ की और विजय को जबरन बोलेरो में डालकर अपहरण कर लिया। रास्ते में उसकी कनपटी पर कट्टा अड़ाकर जब्त की गई बाइक वापस मंगाने का दबाव बनाया और मना करने पर जान से मारने की धमकी दी। विजय को आरोपी करीब 7 किमी दूर उनाव रोड स्थित हमीरपुर तिराहे पर ले गए यहां खड़े होकर वे बाइक मंगाने का दबाव बना रहे थे, तभी विजय का दोस्त आशु यादव वहां पहुंच गया उसने विजय को गाड़ी से उतारने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर कट्टा तान दिया आशु ने तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी।

सेंट्रल जेल में फायरिंग के आरोपियों के रिश्तेदार मोबाइल लेकर पहुचे जेल

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर सेंट्रल जेल में बंद गोलीकांड के आरोपियों का रील वायरल हुआ है आरोपियों से मिलने गए रिश्तेदार ने मुलाकाती कक्ष में वीडियो बनाकर उसे इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया और कैप्शन में लिखा- जल्दी आओ मामा लोग। वीडियो में 'सीधा ठोक दू शहर में जो दादा बनता' गाने के साथ एक-एक कर सभी आरोपियों को दिखाया गया है विश्वजीत अनंत कांग्रेस नेता है, जिसने अक्टूबर 2025 में कांग्रेस नेता नीतेश सिंह पर फायरिंग की थी तब से वो और उसके साथी जेल में हैं। जेल के अंदर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होती ऐसे में रील वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने जेल प्रशासन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। हालांकि जेल अधीक्षक ने पहचान कर कार्रवाई की बात कही है। दरअसल मस्तूरी में पुरानी रंजिश को लेकर कांग्रेस नेता और जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह उसके चाचा तामेश सिंह और तुकेश सिंह पर फायरिंग की गई थी जवाब में नीतेश सिंह ने लाइसेंसी बंदूक से फायर किया जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले थे। इस केस में पुलिस ने युवा कांग्रेस नेता विश्वजीत अनंत, कांग्रेस नेता अकबर खान और उसके भाई समेत 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है एक नाबालिग को बाल संरक्षण गृह में रखा गया है जबकि 10 आरोपी जेल में हैं। एक आरोपी की जमानत हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी है। बताया जा रहा है आरोपी जेल में रहते हुए सोशल मीडिया पर एक्टिव है जिस आईडी से रील अपलोड हुआ है उस कैप्शन में विश्वजीत मामा, चाहत मामा, निक्कू मामा, अरमान मामा, आर्जू बॉस जल्दी आओ मामा लोग लिखा है।

ऑटो पर पलटा ट्रक, दूल्हा-दुल्हन समेत 4 की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में मुर्गी दाने से भरा ट्रक सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौत हो गई मामला सिरसौद थाना क्षेत्र के टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास का है। जानकारी के अनुसार तेंदुआ थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव निवासी वीरेंद्र शाक्य (25) की शादी शुक्रवार को शिवपुरी की संजय कॉलोनी निवासी राजेश्वरी शाक्य से हुई थी। दोनों ने संजय कॉलोनी के एक मंदिर में परिवार की मौजूदगी में विवाह किया था। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौत। शनिवार को शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां अन्वेश शाक्य (50), भाभी राजो शाक्य (22), बहन भूरिया शाक्य (19) और ड्राइवर के साथ ऑटो से राजगढ़ गांव के लिए रवाना हुए थे।

अंडरब्रिज मरम्मत की गति धीमी

डीआरएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन, जल्द काम पूरा करने की मांग पर मिला आश्वासन

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में तारबाहर-सिरगिट्टी अंडरब्रिज की मरम्मत में धीमी गति को लेकर नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने डीआरएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और कार्य में तेजी लाने की मांग की प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मरम्मत कार्य में केवल 2-3 मजदूर लगाए गए हैं जिससे काम में अत्यधिक देरी हो रही है। पार्षद पुष्पेंद्र साहू ने बताया कि अंडरब्रिज की मरम्मत के दौरान उन्हें गिनती के मजदूर ही नजर आए। उन्होंने आशंका जताई कि इस धीमी गति से कार्य पूरा होने में काफी समय लगेगा जिससे आम जनता की परेशानियां बढ़ेंगी। रेलवे प्रशासन ने तारबाहर-सिरगिट्टी अंडरब्रिज को मरम्मत के लिए 2 अप्रैल से 45 दिनों के लिए बंद कर दिया है इस कारण रेलवे लाइन के पार की बस्तियों में रहने वाले लोगों को आवागमन के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। सुबह के समय नौकरीपेशा लोग, महिलाएं और स्कूली बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं तेज गर्मी के बीच यह समस्या और भी गंभीर हो गई है आक्रोशित नागरिक आज सुबह करीब 11 बजे अंडरब्रिज के पास एकत्र हुए और फिर डीआरएम कार्यालय पहुंचे। नागरिकों का आरोप है कि यह अंडरब्रिज साल भर में दूसरी बार मरम्मत के लिए बंद किया गया है उनका कहना है कि हर छह महीने में 30 से 45 दिनों के लिए अंडरब्रिज बंद कर दिया जाता है जिससे हजारों लोगों की दिनचर्या प्रभावित होती है। स्थानीय निवासियों ने इस 45 दिन की बंदी के नियम को बेतुका बताया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सुबह 6-7 बजे काम पर जाने वाले लोगों को ब्रिज बंद होने के कारण लंबा रास्ता तय करना पड़ता है उन्होंने मांग की कि कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। प्रदर्शनकारियों के अनुसार इस अंडरब्रिज से प्रतिदिन लगभग 30 से 40 हजार लोग आवाजाही करते हैं आसपास के गांवों को मिलाकर यह संख्या 70 हजार तक पहुंच जाती है इतनी बड़ी आबादी के प्रभावित होने के बावजूद मरम्मत कार्य की गति बेहद धीमी है। डीआरएम ने प्रदर्शनकारियों को जल्द कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया है। प्रभावित लोगों में संजय श्रीवास्तव, पवन साहू ने बताया कि एक हफ्ता हो गया लेकिन काम के नाम पर कुछ भी नजर नहीं आ रहा। जो काम एक-दो दिन में हो सकता है उसे बेवजह लंबा खींचा जा रहा है यह आम जनता के साथ अन्याय है।

2 दिन से दिन-रात का तापमान प्रदेश में सर्वाधिक; 15 अप्रैल से बदलेगा मिजाज

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होने के बाद नर्मदापुरम में गर्मी के तेवर फिर से तीखे हो गए हैं शुक्रवार और शनिवार को नर्मदापुरम मध्य प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां दिन का अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री और शनिवार रात का न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पूरे प्रदेश में सर्वाधिक है। मौसम विभाग ने 15 अप्रैल से एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना जताई है जिससे आने वाले दिनों में दिन के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है हालांकि उत्तरी हवाओं के कारण रात का तापमान स्थिर रहेगा। 3 दिन से साफ है मौसम, दोपहर में बढ़ रहा गर्मी का प्रभाव लगातार साफ मौसम के कारण पिछले तीन दिनों से दिन के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है सुबह से चिलचिलाती धूप पड़ने के कारण दोपहर के समय गर्मी का प्रभाव भी बढ़ गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में दिन के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट देखने को मिल सकती है हालांकि हवाएं उत्तरी होने के कारण फिलहाल रात के तापमान में इसका ज्यादा असर नहीं पड़ेगा न्यूनतम तापमान लगभग स्थिर बना रह सकता है लेकिन दिन में गर्मी का प्रभाव बढ़ेगा। मौसम वैज्ञानिक वीरेंद्र यादव ने बताया कि 'पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ के रूप में सक्रिय है। इसका प्रभाव उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों पर देखा जा रहा है पश्चिमी जेट स्ट्रीम हवाएं भी उत्तर-पश्चिम भारत में तेज गति से प्रवाहित हो रही हैं 15 अप्रैल से एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ प्रभावित करेगा।

रीवा पुलिस में बड़ा भूचाल: एसपी शैलेन्द्र सिंह की सख्त कार्रवाई

आईजी गौरव राजपूत के निर्देश पर दागी आरक्षकों को लाइन अटैच किया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले की पुलिस व्यवस्था में उस समय उथल-पुथल मचा दी गई जब पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह ने बड़े स्तर पर अचानक सख्ती अपनाई। इस कार्रवाई में कई ऐसे रक्षकों को सीधे पुलिस लाइन में शामिल किया गया है जिन पर लंबे समय से आपराधिक संपत्ति और जमीन के आरोप लगाए जा रहे थे। इस पूरी घटना के पीछे रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत के अनुदेश निर्देश जारी किए जा रहे हैं। मांगे साफा के शब्दों में विभाग को संदेश दिया गया से कोई सहमति नहीं। पिछले कुछ समय से रीवा जिले में सिपाहियों की छुट्टी को लेकर कई सवाल हो रहे थे। आम जनता के बीच यह धारणा बन रही थी कि कुछ कर्मकांड के प्रति गंभीर नहीं हैं और निजी स्वार्थ में बने हैं। लगातार मिल रही मठाधीशों और गुप्तचरों के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति का आकलन किया और अंतः सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार जिन रक्षकों को लाइन में शामिल किया गया है, उनमें सबसे पहले विभाग की निगरानी सूची में शामिल थे। इनमें से तीन के खिलाफ़ एकजुटता में एकजुटता जैसे आरोप सामने आए थे। ऐसे में पुलिस कप्तान ने बिना किसी देरी के सीधी कार्रवाई करते हुए उन्हें फील्ड से रबर पुलिस लाइन रवाना कर दिया। इस कार्रवाई के बाद पूरे पुलिस बाजार में हलचल तेज हो गई। कई संकाय अब अपने कार्यशैली को लेकर छोड़ दिए गए हैं। विभाग के अंदर यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अब किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार या गलत व्यवहार नहीं किया जाएगा। काम करो या लाइन गो की नीति अब सामने आई है।

आईजी गौरव राजपूत की पोस्ट पर भी इस एक्शन में साया झलक रहा है। उन्होंने हाल ही में कानून-व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग की छवि के आधार पर मजबूत कदम उठाए जाएं। इसी क्रम में यह बड़ा बनाया गया है। उनका मानना है कि जब तक फील्ड में स्टाफ की विश्वसनीयता से काम नहीं चलेगा तब तक आम जनता का विश्वास नहीं हो पाएगा। इस कार्रवाई से आम जनता में भी सकारात्मक संदेश गया है। लोगों को उम्मीद है कि इससे पुलिस की नौकरी में नियुक्ति होगी और कानून-व्यवस्था मजबूत होगी। खासकर जिन इलाकों में पुलिस की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे थे, वहां राहत के तौर पर इस कदम को उठाया जा रहा है।

लोगों का मानना है कि यह महज एक अवैध कार्रवाई नहीं बल्कि क्लीनअप ड्राइव है जो विभाग की साख को मजबूत करने के लिए जरूरी थी। इससे यह भी साफ हो गया है कि अब छोटी-छोटी रैलियों को अपॉइंटमेंट नहीं दिया जाएगा क्योंकि ये आगे चलकर बड़ी संभावनाओं का कारण बनेंगी।

पुलिस अधीक्षक का यह गैबी एक्शन उन सभी को चेतावनी देता है कि जो भी व्यक्ति प्रतिबंध को भूल जाता है। साथ ही यह ईमानदारी से काम करने वाले अपराधियों के लिए एक अवसर भी है कि वे अपनी क्षमता साबित करें और आगे बढ़ें। कुल मिलाकर रीवा पुलिस में यह बड़ा कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है। अब देखिए यह होगा कि यह किस तरह आगे और कितनी तेजी से होता है और अन्य अन्य पर भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई देखने को मिलती है।

सीतामऊ में मजदूरी करते मिस्त्री दूसरी मंजिल से गिरा

मंदसौर में मजदूर गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती; उच्च केंद्र रेफर की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। , मंदसौर जिले के सीतामऊ में शुक्रवार शाम मजदूरी के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। निर्माण कार्य कर रहा एक मिस्त्री दूसरी मंजिल से अचानक नीचे गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल युवक की पहचान गोविंद पिता हरजीत डामोर (उम्र 20 वर्ष) के रूप में हुई है, जो राजस्थान के बांसवाड़ा जिले का निवासी बताया जा रहा है। वह सीतामऊ में निर्माण कार्य के लिए मजदूरी कर रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काम के दौरान संतुलन बिगड़ने से गोविंद दूसरी मंजिल से नीचे आ गिरा। गिरने से उसके मुँह, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जिला अस्पताल में उपचार जारी, हालत नाजुक: जिला अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा घायल का इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार गोविंद की स्थिति गंभीर बनी हुई है और हालत में सुधार नहीं होने पर उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया जा सकता है।हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और सहकर्मी मजदूरों ने घायल को अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे समय पर इलाज मिल सका।

लंच करने गया था मालिक, 3.5 लाख का सामान खाक

नर्मदापुरम में ऑटो पार्ट्स दुकान में लगी आग; आधे घंटे में पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में कुलामढ़ी रोड स्थित अनय ऑटो पार्ट्स दुकान में शनिवार दोपहर करीब 12:20 बजे अचानक आग लग गई। घटना के वक्त दुकान मालिक शटर बंद कर लंच करने के लिए घर गए हुए थे।प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। फायर ब्रिगेड ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है, लेकिन इस अग्निकांड में दुकान में रखा करीब 3 से 3.5 लाख रुपए का ऑटो पार्ट्स का सामान जलकर खाक हो गया है।

शटर से निकला धुआं, खोलते ही भड़कीं लपटें: जानकारी के अनुसार, कुलामढ़ी रोड स्थित अनय ऑटो पार्ट्स के मालिक दोपहर करीब 12:20 बजे दुकान का शटर गिराकर लंच करने घर गए थे। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने शटर के कोने से धुआं निकलता देखा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने जब शटर खोला, तो अंदर से आग की तेज लपटें उठने लगीं।

दुकान के ऊपर बने घर में मची दहशत: अचानक आग भड़कने और धुएं के कारण दुकान के ठीक ऊपर स्थित घर के सदस्य और आसपास के लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलने पर दुकानदार भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दुकानदार के मुताबिक, वे लंच करने गए थे तभी यह हादसा हुआ। इस घटना में करीब 3 से साढ़े 3 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

मऊगंज में 5 एकड़ गेहूं की फसल खाक

शॉर्ट सर्किट से लगी आग से किसानों को भारी नुकसान

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले के नईगढ़ी जनपद अंतर्गत सिगटी कला गांव में रविवार दोपहर भीषण आग लगने से कई किसानों की खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस घटना में किसान देवी चरण शुक्ल, राहुल शुक्ला, शुभम शुक्ला और बब्बू शुक्ला की लगभग 4 से 5 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते आसपास के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों के अनुसार, आग पास में लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण भड़की। चिंगारी ने सूखी फसल को तुरंत अपनी चपेट में ले लिया और आग तेजी से फैलने लगी। आग फैलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन वाहन अन्य स्थान पर व्यस्त होने के कारण देरी से पहुंचा।

खून से सने बोरे में मिली पुरुष की लाश

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर जिले में कानपुर हाइवे पर कर्रापुर स्थित राजा ढाबा के पास खून से सने बोरे में अज्ञात पुरुष का शव बरामद हुआ है। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बोरा खोलकर शव निकाला और उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त के लिए आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है।जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह कर्रापुर में राजा ढाबा के पास सड़क किनारे एक बोरा लावारिस हालत में पड़ा हुआ था। बोरे पर बाहर की तरफ खून लगा हुआ था। खून देखकर वहां से गुजर रहे राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत कर्रापुर चौकी पुलिस को इसकी सूचना दी।

मंदसौर पुलिस ने अपहृत नाबालिग को 24 घंटे में छुड़ाया

आरोपी गिरफ्तार, ऑपरेशन मुस्कान के तहत हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले की सीतामऊ पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक अपहृत नाबालिग बालिका को महज 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया और मामले में आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत सीतामऊ पुलिस ने एक टीम का गठन किया और कार्रवाई शुरू की।सीतामऊ थाने में एक सूचनाकर्ता ने अपनी 15 वर्ष 5 माह की नाबालिग बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 161/26, धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू की।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए संभावित स्थानों पर तलाश शुरू कर दी। विश्वसनीय मुखबिरों, सूचनाकर्ता के रिश्तेदारों से मिली जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने लगातार सूचनाएं जुटाई, जिससे बालिका का सुराग मिल सका।पुलिस टीम ने धार जिले के बाग टांडा क्षेत्र में दबिश दी और अपहृत नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया गया है, जिससे परिवार ने राहत की सांस ली। इस मामले में आरोपी विक्रम पिता हेमंत मईडा, निवासी धुंधड़का (जाति भील) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

विदिशा में मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बुलेट से स्टंट

दो युवक पकड़ाए, पुलिस ने काटा 5 हजार का चालान

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा में मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट बाइक से स्टंट करना दो युवकों को भारी पड़ गया। रात के समय कोतवाली थाना क्षेत्र में कुछ युवकों द्वारा खतरनाक स्टंट करने और तेज आवाज निकालने वाले साइलेंसर के इस्तेमाल की सूचना पुलिस को मिली थी। इस शिकायत के बाद पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों की पहचान की और उन्हें थाने बुलाया। मौके पर जांच के दौरान उनकी गतिविधियों की पुष्टि की गई।

बाइक में मिला मॉडिफाइड साइलेंसर: जांच के दौरान पुलिस को उनकी बुलेट मोटरसाइकिल में मॉडिफाइड साइलेंसर लगा हुआ मिला। इसके साथ ही यातायात नियमों के अन्य उल्लंघन भी सामने आए, जिससे मामला और गंभीर हो गया। थाना प्रभारी आनंद राज के नेतृत्व में पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत दोनों युवकों पर ?5000 का चालान किया। यह कार्रवाई नियमों के उल्लंघन को देखते हुए की गई।

पूछताछ में युवकों ने मानी गलती: थाने में पूछताछ के दौरान दोनों युवकों ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। उन्होंने माना कि वे स्टंट कर रहे थे और बाइक में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाया हुआ था। पुलिस ने युवकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह के स्टंट करना और मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करना कानून के खिलाफ है। इससे न केवल उनकी खुद की जान को खतरा होता है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

आम लोगों की सुरक्षा को बतायाखतरा:पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस तरह की गतिविधियां सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। तेज आवाज और तेज रफ्तार से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। विदिशा पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें और सड़क पर किसी भी तरह के स्टंट से बचें।

मॉडिफाइड साइलेंसर पर सख्ती के संकेत: पुलिस ने साफ कर दिया है कि शहर में मॉडिफाइड साइलेंसर और स्टंट करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। नियम तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने कहा कि शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए नागरिकों का सहयोग जरूरी है।

मैहर में पुरानी रंजिश में युवक को मारी टांगी

मीडिया ऑडीटर,मैहर (निप्र)। मैहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बेरमा में 11 अप्रैल की देर रात पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। नदी में डाली गई बोरियों को हटाने के विवाद पर आरोपी ने खेत पर सो रहे युवक के सिर पर टांगी से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

नदी में बोरियां डालने को लेकर था पुराना विवाद: पीड़ित सीताराम कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि गांव के ही कामता कुशवाहा उर्फ बबली से उसका नदी में बोरियां डालने को लेकर पूर्व में विवाद हुआ था। इसी रंजिश के कारण आरोपी ने रात के अंधेरे में सुनियोजित तरीके से हमला किया।

रात 1 बजे सिर पर टांगी से किया हमला: घटना 11 अप्रैल की रात करीब 1 बजे की है। सीताराम अपने खेत पर था, तभी आरोपी कामता कुशवाहा वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लोहे की टांगी से सीताराम के सिर पर प्रहार किया, जिससे वह लहूलुहान हो गया।

धमकी देकर भागा आरोपी: वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकला। परिजनों ने घायल सीताराम को तत्काल सिविल अस्पताल मैहर में भर्ती कराया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया।

इटारसी में अतिक्रमण पर पुलिस की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी शहर में बढ़ते अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना इटारसी पुलिस ने पहली लाइन क्षेत्र में सड़क पर सामान रखकर यातायात बाधित करने वाले एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सड़क पर सामान रखे होने से आवागमन प्रभावित: पुलिस के अनुसार, पहली लाइन में राजस्थान स्वीट के बाजू में गृह संसार सेल के सामने आम सड़क पर सामान रखे होने से आवागमन प्रभावित हो रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की।पुलिस ने वार्ड क्रमांक 22, बोर्डिंग स्कूल के पास नाला मोहल्ला इटारसी निवासी 19 साल के मोहम्मद सोहब शाह के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई: कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 2 साबुदानी, 15 प्लास्टिक गमले, 10 प्लास्टिक डस्टबिन, लोहे की 4 छोटी कोठियां और जूते-चप्पल के 2 स्टैंड जब्त किए।

दमोह में भंडारा खाने के बाद ग्रामीण बीमार

उल्टी-दस्त की शिकायत पर अस्पताल में एडमिट, स्वास्थ्य टीम गांव पहुंची

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम मोहरा में शुक्रवार रात करीब 25 ग्रामीण अचानक बीमार पड़ गए। उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद तत्काल इलाज के लिए तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। कुछ लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।ग्रामीणों के अनुसार, दो दिन पहले उन्होंने गांव में एक मंदिर के पास आयोजित भंडारे में भोजन किया था। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उल्टी-दस्त की समस्या शुरू हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की एक टीम गांव मोहरा पहुंची। टीम ग्रामीणों से बातचीत कर मामले की जांच कर रही है ताकि बीमारी के सही कारण का पता लगाया जा सके।

बीमार हुए लोगों में गुड्डी बाई लोधी, खिलान लोधी, संजय लोधी और विक्रम लोधी सहित अन्य ग्रामीण शामिल हैं।

अचानक से पेट दर्द हुआ: विक्रम लोधी ने बताया कि तीन दिन पहले गांव के माता मंदिर के पास भंडारा हुआ था, जिसमें अधिकांश ग्रामीणों ने भाग लिया था। भंडारे से लौटने के बाद उन्हें अचानक पेट दर्द और उल्टी-दस्त शुरू हो गए। उन्होंने पहले इसे गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन शुक्रवार रात जब परेशानी बढ़ी तो वे अस्पताल पहुंचे।

जिन्होंने भंडारे में प्रसादी खाई वही बीमार: मोहरा निवासी संजय लोधी ने आशंका जताई कि भंडारे के खाने में कुछ गड़बड़ थी, क्योंकि केवल वही लोग बीमार हुए, जिन्होंने वहां भोजन किया था। उन्होंने बताया कि भंडारे में गक्कड़ और भर्ता परोसा गया था। बीमारी का सटीक कारण अभी अज्ञात है, लेकिन लगभग दो दर्जन ग्रामीण प्रभावित हुए हैं।

ग्रामीणों को कोई बीमारी नहीं: स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश अवस्थी ने बताया सभी को फूड प्वाइजनिग हुआ है। यह कोई बीमारी नहीं है। भंडारे का भोजन खाने के बाद यह स्थिति बनी है। सीबीएमओ के साथ स्वास्थ्य विभाग टीम मोहरा गई है।

सभी खतरे से बाहर हैं: सीबीएमओ डॉक्टर अशोक बरौनया ने बताया कि जितने लोगों ने भोजन किया था, वही लोग बीमार हुए हैं। जिसमें कुछ लोगों का इलाज स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। बाकी लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया है। सभी लोग स्वस्थ हैं। हम भी गांव भी गए थे, अन्य लोगों की जानकारी ली है।

आईजीपीएल इनविटेशनल के दूसरे दिन वीर गणपति ने सचिन बैसोया पर दो शॉट की बढ़त बना ली।

पोर्ट , एजेंसी। वीर गणपति (67-69) ने लगातार दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए सुरम्य अनाहिता गोल्फ कोर्स में लिएंडर पेस द्वारा आयोजित आईजीपीएल इनविटेशनल 2026 मॉरीशस के दूसरे दिन के बाद दो शॉट की बढ़त बना ली। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रात भर के सह-नेतृत्वकर्ता सचिन बैसोया (67-71) दूसरे दौर के बिल्कुल आखिरी होल पर फिसल गए, और इससे गणपति को बढ़त मिल गई और उन्हें खिताब के लिए दावेदारी पेश करने के लिए एक प्रमुख स्थान मिल गया। बेंगलुरु के 18 वर्षीय बाएं हाथ के गोल्फर, जिन्होंने पहले दिन 67 का स्कोर बनाया था, अनाहिता गोल्फ कोर्स के पहले नौ होल के बाद बराबरी पर थे, लेकिन उन्होंने अगले नौ होल में तीन बर्डी लगाईं। इनमें 16वें और 18वें होल पर बर्डी शामिल थीं, जिससे उन्होंने 3-अंडर 69 का स्कोर बनाया और 36 होल के बाद कुल 8-अंडर पर पहुंच गए।

पहले दौर में संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे बैसोया (67-71), जो 17 होल के बाद बढ़त के लिए बराबरी पर थे, ने पार-5 18वें होल पर बोगी कर दी, जबकि उनके साथी खिलाड़ी गणपति ने बर्डी हासिल कर ली। इस दो शॉट के अंतर से गणपति दो शॉट की बढ़त के साथ अकेले शीर्ष पर आ गए, जबकि बैसोया 6-अंडर पर पिछड़ गए। अन्य तीन खिलाड़ी, पूर्व दो बार के अखिल भारतीय शौकिया चैंपियन आर्यन रूपा आनंद (71-70), रिधिमा दिलावरी (69-72) और मिलिंद सोनी (69-72) दो राउंड के लिए 3-अंडर पर थे और संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। शीर्ष पांच में से किसी ने भी एएम ग्रीन आईजीपीएल में सफलता का स्वाद नहीं चखा है, लेकिन अगले दो खिलाड़ी, जिनका कुल स्कोर 2-अंडर है और जो संयुक्त रूप से छठे स्थान पर हैं, अमन राज (73-69) और कपिल कुमार (74-68), ने 2025 सीज़न में जीत हासिल की थी। टीम प्रतियोगिता में, आरवीआर दिल्ली दो राउंड में दो खिलाड़ियों के कुल 7-अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, जबकि फीनिक्स हैदराबाद एक शॉट पीछे दूसरे स्थान पर है, साथ ही अत्री मुंबई भी दूसरे स्थान पर है।

अनाहिता में परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण बनी रहीं, जिसके चलते केवल चार अन्य खिलाड़ी - डब्ल्यूजीएआई प्रो अमनदीप ड्राल (69-74), उदययन माने (70-73), नवागंतुक सुखमन सिंह (71-72) और शौर्य बिनु (75-68) - 1-अंडर के कुल स्कोर के साथ पार से नीचे रहे। वे संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर रहे।

केवल 12 खिलाड़ी ही लाल निशान में हैं, जो दर्शाता है कि तेज हवाओं और चुनौतीपूर्ण ग्रीन्स के कारण यह कोर्स कितना कठिन रहा है। बड़े सितारों में, जो स्कोरबोर्ड के शीर्ष 10 से बाहर थे, उनमें 2025 एएम ग्रीन आईजीपीएल रैंकिंग के शीर्ष खिलाड़ी पुखराज गिल (72-72), एसएसपी चौरसिया (73-71) और गौरव घेई (74-70) टी-12 पर; शिव कपूर (70-73) टी-20 पर; करनदीप कोचर (73-73) टी-22 पर और गगनजीत भुल्लर (73-74) टी-29 पर शामिल थे।

ला लीगा: रियल मैड्रिड ने गिरोना के साथ ड्रॉ खेलकर अंक गंवाए

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता ला लीगा में खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। रियल मैड्रिड को गिरोना के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा, जिससे शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिल गया है।

मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ के छह मिनट बाद फेडेरिको वाल्वेर्दे ने किया, जिससे रियल को बढ़त मिली। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी और 62वें मिनट में थोमस लेमार ने शानदार गोल दागकर गिरोना को बराबरी दिला दी।

इस परिणाम के बाद बार्सिलोना 76 अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड उससे छह अंक पीछे है और एक मुकाबला अधिक खेल चुका है। अब बार्सिलोना के पास अपनी बढ़त नौ अंकों तक पहुंचाने का शानदार अवसर है। रियल मैड्रिड ने इस मुकाबले में मजबूत टीम उतारी थी, क्योंकि उसे अगले सप्ताह एक अहम मुकाबला खेलना है, जिसमें पिछली हार की भरपाई करना जरूरी होगा। किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और जूड बेलिंघम जैसे खिलाड़ी मैदान में उतरे, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। पहले हाफ में रियल के पास गेंद पर नियंत्रण ज्यादा रहा, लेकिन वह साफ मौके बनाने में नाकाम रहा। गिरोना ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और जवाबी हमलों पर ध्यान दिया। गिरोना के खिलाड़ी अज़ेद्दीन उनाही का एक जोरदार शॉट भी देखने को मिला, जिसे गोलकीपर आंद्री लुनिन ने शानदार तरीके से रोक लिया। दूसरे हाफ में मैच में तेजी आई, लेकिन बराबरी के बाद रियल मैड्रिड दबाव में नजर आया। टीम के हमलों में जल्दबाजी और तालमेल की कमी साफ दिखी। गिरोना ने अनुशासित खेल दिखाते हुए रियल को कोई और मौका नहीं दिया। अंतिम सीटी के साथ ही दर्शकों की नाराजगी साफ झलकने लगी। इस ड्रॉ के बाद रियल मैड्रिड की खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है और अब मुकाबला बार्सिलोना की ओर झुकता नजर आ रहा है।

बांग्लादेश ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए टीम घोषित की

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की नई चयन समिति, जिसका नेतृत्व हबीबुल बशर कर रहे हैं, ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय वही टीम बरकरार रखी है, जिसने पिछले महीने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को दो-एक से हराया था। श्रृंखला के पहले दो मुकाबले 17 और 20 अप्रैल को ढाका में खेले जाएंगे, जबकि तीसरा मुकाबला 23 अप्रैल को चट्टोग्राम में होगा। टीम की कमान मेहदी हसन मिराज़ के हाथों में होगी। हालांकि हाल की जीत के बावजूद कुछ बल्लेबाज़ों के प्रदर्शन पर सवाल बने हुए हैं। सैफ़ हसन और अफ़ीफ़ हुसैन ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन पारियों में क्रमशः 17.33 और 19 की औसत से रन बनाए थे, जो उम्मीदों से कम रहे। तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। चयनकर्ताओं ने नाहिद राना, तस्कीन अहमद, मुस्तफ़िज़ुर रहमान और शोरिफुल इस्लाम पर भरोसा बरकरार रखा है। हाल के समय में गेंदबाज़ों को बदल-बदल कर खिलाने की नीति के विपरीत यह एक स्थिर संयोजन माना जा रहा है। बांग्लादेश की टीम के पाँच खिलाड़ी इस समय पाकिस्तान में चल रही लीग में खेल रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी बारह अप्रैल को राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे। रिपोर्टों के अनुसार, एकदिवसीय श्रृंखला समाप्त होने के बाद केवल मुस्तफ़िज़ुर रहमान ही वापस लीग में लौटेंगे। इसके बाद दोनों देशों के बीच तीन बीस-बीस ओवरों के मुकाबले भी खेले जाएंगे।बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है: मेहदी हसन मिराज़ (कप्तान), सौम्य सरकार, सैफ़ हसन, तंजीद हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, लिटन दास (विकेटकीपर), अफ़ीफ़ हुसैन, महिदुल इस्लाम, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफ़िज़ुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरिफुल इस्लाम और नाहिद राना।

सब-जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप फाइनल में मध्य प्रदेश की दोहरी दावेदारी

नई दिल्ली , एजेंसी। राजगीर, बिहार में चल रही सोलहवीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। बारह अप्रैल को होने वाले फाइनल मुकाबलों के लिए मंच तैयार है। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा, जबकि महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में हॉकी मध्य प्रदेश की टक्कर गत विजेता हॉकी झारखंड से होगी।

पुरुष वर्ग: अजेय टीमों की भिड़ंत

पुरुष वर्ग में दोनों टीमें अब तक अपराजित रही हैं। सेमीफाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी को चार-दो से हराया, जबकि उत्तर प्रदेश हॉकी ने पिछले साल की विजेता हॉकी पंजाब को छह-दो से मात दी। यह मुकाबला पिछले वर्ष के तीसरे स्थान के मुकाबले की पुनरावृत्ति भी है, जिसमें उत्तर प्रदेश विजयी रहा था।

उत्तर प्रदेश हॉकी के शाहरुख अली इस प्रतियोगिता में चौदह गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि नीतीश यादव ने सात गोल दागे हैं, जिनमें सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। वहीं दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं।

महिला वर्ग: खिताब के लिए कांटे की टक्कर महिला वर्ग के फाइनल में रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। गत विजेता हॉकी झारखंड ने सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश हॉकी को दो-शून्य से हराया, जबकि हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी ओडिशा को दो-एक से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में हॉकी मध्य प्रदेश की नुशीन नाज़ नौ गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि हॉकी झारखंड की संदीपा कुमारी पांच गोल के साथ उनके पीछे हैं। कांस्य पदक के लिए भी रोचक मुकाबले महिला वर्ग में तीसरे स्थान के लिए हॉकी ओडिशा का मुकाबला उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा। वहीं पुरुष वर्ग में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी का सामना हॉकी पंजाब से कांस्य पदक के लिए होगा। फाइनल मुकाबलों के साथ इस प्रतियोगिता का समापन रोमांचक अंदाज में होने की उम्मीद है, जहां देश की युवा प्रतिभाएं अपना दमखम दिखाने को तैयार हैं।

प्रीमियर लीग: वेस्ट हैम की जीत से टॉटेनहम रेलीगेशन क्षेत्र में, दे ज़ेर्बी को बचाव की उम्मीद

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग प्रीमियर लीग में शकवार को खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड ने वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को 4-0 से हरा दिया। इस नतीजे के बाद टॉटेनहम हॉटस्पर पहली बार इस सत्र में रेलीगेशन क्षेत्र में पहुंच गया है। टॉटेनहम अब वेस्ट हैम से दो अंक पीछे है और उसका अगला मुकाबला रविवार को सुंदरलैंड से होगा।

वेस्ट हैम की ओर से वैलेंटीन कास्टेलानोस ने दूसरे हाफ के मध्य में तीन मिनट के भीतर दो गोल दागे, जबकि हाफ टाइम से ठीक पहले कॉन्स्टैन्टिनोस माव्रोपानोस ने हेडर से टीम को बढ़त दिलाई थी। मैच के अंतिम चरण में कॉर्नर से आए मौके पर एक शानदार वॉली के जरिए चौथा गोल दागा गया। इस हार के साथ वूल्व्स अंक तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं और उनके निचली लीग में जाने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है।

टॉटेनहम के नए प्रबंधक रॉबर्टो दे ज़ेर्बी ने कहा कि उनकी टीम को रेलीगेशन से बचने के लिए साहस और आत्मविश्वास के साथ खेलना होगा। उन्होंने खिलाड़ियों से साफ रणनीति के साथ मैदान पर उतरने और बिना ज्यादा दबाव लिए अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की अपील की। दे ज़ेर्बी ने कहा कि टीम को लड़ने का जज्बा, साहस और आक्रामकता दिखानी होगी।

दे ज़ेर्बी को पाँच साल का अनुबंध दिया गया है और उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम को रेलीगेशन से बचाना है। उन्होंने कहा कि क्लब की पहचान हमेशा आक्रामक फुटबॉल और गोल करने की मानसिकता से जुड़ी रही है और वे उसी भावना को वापस लाना चाहते हैं।

हाल ही में टॉटेनहम ने अंतरिम कोच इगोर ट्यूडर को हटाया था, जिन्होंने केवल 44 दिन टीम की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले थॉमस फ्रैंक भी सिर्फ आठ महीने तक पद पर रहे थे। दे ज़ेर्बी ने दोनों को अच्छा कोच बताते हुए कहा कि वह अपनी शैली, व्यक्तित्व और जुनून के साथ टीम को सही दिशा देने की कोशिश करेंगे।

विराट ने दिया वैभव सूर्यवंशी को ऑटोग्राफ, लिखा- वेलडन:बिश्नोई की बॉल पर कोहली बोल्ड, RCB ने 37वीं बार 200+ स्कोर बनाया

राजस्थानै, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स ने IPL में लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम ने शकवार को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स देखने को मिले।

वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और सिक्स लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। वहीं, मैच खत्म होने के बाद विराट कोहली ने वैभव की राजस्थान रॉयल्स कैप पर ऑटोग्राफ दिया।

दूसरी ओर, विराट कोहली अच्छी शुरुआत के बाद रवि बिश्नोई की गेंद पर बोल्ड हो गए। रिकॉर्ड्स की बात करें तो RCB ने IPL में 37वीं बार 200 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया और चेन्नई सुपर किंग्स की बराबरी कर ली।

बराबरी की : RCB ने IPL में 37वीं बार 200+ का स्कोर बनाकर ष्टस्य की बराबरी कर ली है। अब दोनों टीमें इस लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर PBKS (33) है, जबकि MI (32) चौथे और ऱ्ययक्र(30) पांचवें स्थान पर हैं।

1. **RCB ने CSK की**

2. संदीप शर्मा के 150 विकेट पूरे : संदीप शर्मा ने 140 मैच में 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह इस लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। सबसे तेज 150 विकेट का रिकॉर्ड लसिथ मलिंगा (105 मैच) के नाम है, जबकि दूसरे नंबर पर हर्षल पटेल (117) और तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह (124) हैं।

3. रजत के 3 हजार CSK रन पूरे : रजत पाटीदार ने 95 पारियों में 3000 ञ्ज20 रन पूरे कर लिए हैं। वह इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। सबसे तेज 3000 रन का रिकॉर्ड तिलक वर्मा (90 पारियां) के नाम है, जबकि दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ (91) और तीसरे नंबर पर केएल राहुल (93) हैं।

4. RCB 7वीं बार 200+ रन बनाकर हारी RCB ने 200+ स्कोर बनाने के बाद 7वीं बार मैच गंवाया, जिससे वह PBKS के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गई है। ष्टस्य 6 हार के साथ तीसरे नंबर पर है, जबकि KKR (5) चौथे स्थान पर है।

बीएचयू दक्षिणी परिसर में राष्ट्रीय स्तर के कार्यशाला में सॉफ्टबॉल की नवीनतम नियमों पर प्रशिक्षण

वाराणसी , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिण परिसर (आर.जी.एस.सी.), बरकछा में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में दूसरे दिन शनिवार को %सॉफ्टबॉल% खेल के ऑफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक की प्रशिक्षकों एवं रेफरी को जानकारी दी गई। ÷सॉफ्टबॉल में उन्नत नियम व्याख्या, ऑफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक÷ विषयक कार्यशाला में भारत में सॉफ्टबॉल के बढ़ते महत्व तथा वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं मानकीकृत ऑफिशिएटिंग के महत्व को बताया गया।

दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. बी.एम.एन.कुमार के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं रेफरी की तकनीकी एवं व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन स्पोर्ट्स बोर्ड, आर.जी.एस.सी., बी.एच.यू ने किया है। कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. नेमा (महासचिव, स्पोर्ट्सबोर्ड, बी.एच.यू.) ने खेलों में अनुशासन, नियमों की समझ एवं प्रशिक्षित अधिकारियों की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के पंकज सिंह तथा सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु के खेल निदेशक जितेंद्र मेवारा ने खेलों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं पेशेवर दृष्टिकोण पर खासा जोर दिया। आचार्य प्रभारी ने बताया कि कार्यशाला में दो दिन ऑफिशिएटिंग मैकेनिक्स, कोचिंग तकनीक, शारीरिक फिटनेस, प्रतियोगिता प्रबंधन, स्कोरिंग प्रणाली एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विस्तृत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस प्रकार की कार्यशालाएं खेल संस्कृति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उल्लेखनीय है कि सॉफ्टबॉल, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में एक लोकप्रिय खेल है। आमतौर पर यह माना जाता है कि सॉफ्टबॉल का विकास इंडोर बेसबॉल नामक खेल से हुआ है, जो पहली बार खेला गया था। शिकागो में 1887 में इसका जन्म हुआ। सॉफ्टबॉल का मूल बेसबॉल के समान ही है। बल्लेबाजी और फील्डिंग की रणनीति भी समान है लेकिन सॉफ्टबॉल बहुत छोटे मैदान पर खेला जाता है और एक मैच केवल सात पारियों का होता है।

कर्म ही सच्ची पूजा का संदेश देता है कमद्भागवत : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कमद्भागवत कथा में शामिल हुए मुख्यमंत्री, प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री क विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित कराम मंदिर परिसर में आयोजित कमद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान क हिमांशु कृष्ण भारद्वाज जी द्वारा कही जा रही कमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री क साय ने कहा कि कमद्भागवत का मूल संदेश यही है कि कर्म ही सच्ची पूजा है। उन्होंने कहा कि हमें सच्चाई और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर मानव जीवन को सार्थक बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री क साय ने कराम मंदिर में भगवान के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री क साय ने कमद्भागवत कथा में भगवान क कृष्ण की बाललीला के अंतर्गत माखनचोरी के प्रसंग का भक्तिभाव के साथ श्रवण किया। उल्लेखनीय है कि कमद्भागवत कथा का आयोजन क राम मंदिर परिसर में 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री क विष्णुदेव साय

कथा के समापन अवसर पर भगवान बांके बिहारीलाल की आरती-पूजन में भी शामिल हुए।

मानव जीवन दुर्लभ, सेवा से ही सार्थकता मुख्यमंत्री: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री क साय ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि हमें दूसरों के लिए जीते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु क राम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है।

प्रभु क राम ने अपने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बिताया। उन्होंने कहा कि लगभग पांच हजार वर्ग किलोमीटर में फैला अबूझमाड़ का जंगल ही दंडकारण्य क्षेत्र है और शिवरीनारायण माता शबरी की पावन भूमि है। गुरु घासीदास जैसे महान संतों की जन्मभूमि होने के कारण छत्तीसगढ़ एक धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध प्रदेश है। मुख्यमंत्री क साय ने कहा कि ईश्वर के आशीर्वाद से आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हो रहा है और निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

रामलला दर्शन योजना से हजारों श्रद्धालुओं को लाभ: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रभु क रामलला दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 42 हजार भक्त रामलला के दर्शन कर चुके हैं तथा 5 हजार से अधिक बुजुर्गजन देश के विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर चुके हैं।

धार्मिक संरक्षण और गौसेवा के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया गया है। इस कानून के अंतर्गत देश के अन्य राज्यों की तुलना में कठोर प्रावधान किए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से अवैध धर्मांतरण पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुरभि गौधाम योजना लागू की गई है, जिसके तहत गौधामों में गौमाता के लिए चारा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस अवसर पर कृषि मंत्री क रामविचार नेताम, क सुनील रामदास अग्रवाल सहित कमद्भागवत कथा के आयोजक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

पहाड़ी गांव तुलतुली में बदली तस्वी योजनाओं से संवर रहा भविष्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कांकेर जिले के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित ग्राम तुलतुली आज विकास की नई राह पर अग्रसर है। कभी नक्सल प्रभाव और बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझने वाला यह गांव अब शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से तेजी से बदल रहा है। ग्रामीणों को अब योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ-साथ उनका लाभ भी मिलने लगा है। ग्राम की निवासी कमती मायाबती हिचामी इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं। उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे उनके परिवार की स्थिति

में सुधार आया है। मायाबती के दो बच्चे हैंकृबेटी गुड़िया कक्षा चौथी में अध्ययनरत है, जबकि पुत्र आंगनवाड़ी में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। मायाबती बताती हैं कि पहले आर्थिक तंगी और जानकारी के अभाव के कारण बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता बनी रहती थी। अब योजना से मिलने वाली राशि का वे सुनियोजित उपयोग कर रही हैं। हर माह 500 रुपये सुकन्या समृद्धि योजना में जमा कर बेटी के भविष्य को सुरक्षित बना रही हैं, वहीं शेष राशि बच्चों के पोषण और दैनिक जरूरतों पर खर्च करती हैं। वे कहती हैं कि अब गांव में योजनाओं की पहुंच और जागरूकता बढ़ी है, जिससे जीवन स्तर में सुधार हो रहा है।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार की महत्वाकांक महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रही है। मुख्यमंत्री क विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से महिलाओं को न केवल नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की ओर भी तेजी से अग्रसर हो रही हैं। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। अब तक 26 किश्तों का 16 हजार 240 करोड़ रूपए का भुगतान पात्र हितग्राही महिलाओं को किया जा

चुका है। इस योजना की नियमित किस्त मिलने से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वह आर्थिक रूप से सक्षम हुई है।

कोरबा शहर के पोड़ीबहार निवासी कमती श्यामा प्रजापति इसकी एक उदाहरण हैं। कमती प्रजापति बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि उनके जीवन में बदलाव लेकर आई है। पहले छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब वे अपने घरेलू खर्च, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को स्वयं पूरा कर पा रही हैं।

उन्होंने बताया कि नियमित सहायता से उन्हें आर्थिक राहत के साथ मानसिक संतोष और आत्मविश्वास भी मिला है।

बस्तर में बदलाव की नई बयार

बस्तर के दुर्गम गांवों तक बारहमासी पक्की सड़कों का जाल बिछने से आवाजाही हुई सुगम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर का वह सुदूर वनांचल, जहाँ कभी सन्नाटा और दहशत का पहरा था, आज वहां खुशहाली की नई इबारत लिखी जा रही है। बस्तर जिले के दरभा विकासखंड का कोलेंग क्षेत्र, जो दशकों तक माओवादी गतिविधियों के कारण विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, अब अपनी एक नई पहचान गढ़ रहा है। मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसता यह इलाका अब सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से लैस होकर विकास की मुख्यधारा में मजबूती से कदम रख चुका है। कभी जो गाँव के लोग बुनियादी

सुविधाओं और शासकीय योजनाओं से महरूम थे, वे अब सीधे शासन-प्रशासन के संपर्क में हैं, साथ ही लाभान्वित होकर विकास में सहभागिता निभा रहे हैं। एक समय था जब बारिश के दिनों में कोलेंग और उसके आसपास के गाँव टापू बन जाते थे और ग्रामीणों को आवागमन के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जगदलपुर से लेकर कोलेंग, चांदामेटा, छिंदगुर, काचीरास, सरगीपाल और कान्दानार जैसे दुर्गम गांवों तक बारहमासी पक्की सड़कों का जाल बिछ जाने से न केवल आवाजाही सुगम हुई है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आपातकालीन सेवाएं भी अब ग्रामीणों की पहुंच में हैं। कोलेंग के सरपंच क लालूराम नाग इस बदलाव को ऐतिहासिक मानते हुए कहते हैं कि पहले यह क्षेत्र पूरी तरह कटा हुआ था, लेकिन माओवाद की समस्या कम होने और शासन की सक्रियता से ग्रामीणों के जीवन स्तर में क्रांतिकारी सुधार आया है।

केमिकल और औद्योगिक आपदा के लिए सचेत रहने की जरूरत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। औद्योगिक एवं केमिकल डिजास्टर के संबंध में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों के लिए राज्य स्तरीय औद्योगिक आपदा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार गृह मंत्रालय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में औद्योगिक या केमिकल आपदा के अवसर की जाने वाली सावधानियां डिजास्टर के समय की व्यापक तैयारियां पहले से करने के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली के अधिकारियों ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जानकारी दी गई कि आगामी दिनों में छत्तीसगढ़ में केमिकल एवं औद्योगिक आपदा के संबंध में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाईज कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें औद्योगिक या केमिकल आपदा के समय कैसे व्यापक प्रबंधन एवं सुरक्षा किया जाये। आपदा के समय आपातकालीन तैयारियां, अग्निशामक तैयारियां, आपदा के समय जन सामान्य में जागरूकता सहित विविध आपदा प्रबंधन के तौर-तरीकों और तैयारियां के संबध में व्यापक मार्गदर्शन दिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित इस बैठक में गृह मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. अन्य पुलिस फोर्सेस के अधिकारी सहित उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य, गृह, और राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं सभी जिलों के जिला आपदा प्राधिकरण के अधिकारी शामिल हुये।

नक्सल प्रभाव से विकास की ओर बढ़ता ग्राम हेटारकसा

जल जीवन मिशन से हर घर पहुंचा शुद्ध पेयजल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के खात्मे के बाद हो रहा सर्वांगीण विकास है। यह पहल लाल आतंक के साये को मिटाकर शांति, विश्वास और विकास की एक नई कहानी लिख रही है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक जल जीवन मिशन एवं राज्य शासन के समन्वित प्रयासों से अब ग्राम हेटारकसा के 63 घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाए जा चुके हैं। दो सोलर पंप आधारित जल टंकियों के माध्यम से प्रत्येक घर में नियमित रूप से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

नक्सल गतिविधियों के

कारण विकास से अछूता रहा उत्तर बस्तर कांकेर जिला के कोयलीबेड़ा विकासखंड का ग्राम हेटारकसा आज बदलाव और विकास की नई मिसाल बनकर उभर रहा है। जहां पहले सड़क, संचार एवं मूलभूत सुविधाओं तक पहुंच अत्यंत कठिन थी, वहीं अब शासन के नक्सल उन्मूलन अभियान और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से गांव में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

विगत वर्षों में नक्सल प्रभाव एवं दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इस क्षेत्र में विकास कार्यों का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण रहा। विशेष रूप से पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा भी ग्रामीणों को उपलब्ध नहीं हो पाती थी। गांव के लोग कुओं एवं नालों पर निर्भर थे और गर्मी के दिनों में पानी के लिए उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

हेटारकसा ग्राम निवासी क राजनाथ पोटाई ने बताया कि पूर्व में पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, जिससे समय एवं श्रम दोनों की हानि होती थी। अब घर पर ही पानी उपलब्ध होने से दैनिक जीवन काफी सहज और सुविधाजनक हो गया है। वहीं ग्राम की महिला कमती सविता बेन ने बताया कि पहले दिन का अधिकांश समय पानी लाने में व्यतीत हो जाता था, किंतु अब नल-जल सुविधा मिलने से उन्हें राहत मिली है और वे अन्य कार्यों में समय दे पा रही हैं।

स्वास्थ्य एवं आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव: हेटारकसा ग्राम में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आई है। साथ ही ग्रामीण अब घरों के आसपास सब्जी-बाड़ी विकसित कर टमाटर, मिर्ची, बरबट्टी जैसी फसलें उगा रहे हैं, जिससे उन्हें पोषण के साथ अतिरिक्त आय का भी लाभ मिल रहा है।

कुसुम की खेती बनी लाभ का सौदा

कम पानी में किसानों को अधिक मुनाफा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कुसुम की खेती बनी लाभ का सौदा ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प के रूप में कुसुम की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। बलौदाबाजार जिले के विकासखंड पलारी के ग्राम मुसुवाडीह निवासी कृषक क वामन टिकरिहा इसके उदाहरण हैं। राज्य स्तरीय डॉ. खुबचंद बघेल कृषक रत्न से सम्मानित क टिकरिहा इस वर्ष 10 एकड़ में कुसुम की खेती कर रहे हैं। विगत वर्ष उन्होंने ग्रीष्मकालीन धान की खेती की थी, लेकिन गिरते भूजल स्तर के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। कृषि विभाग की सलाह पर इस वर्ष उन्होंने कुसुम की खेती अपनाई, जो कम पानी और कम लागत में ज्यादा लाभदायक है। कुसुम फसल की विशेषता यह है कि इसके पौधों में कांटे होने के कारण मवेशी इसे नहीं खाते, जिससे किसानों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध की जरूरत नहीं पड़ती। क टिकरिहा प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दे रहे हैं। वे गोबर और गौमूत्र से जीवामृत, बीजामृत और घनजीवामृत का उपयोग कर खेती कर रहे हैं।

प्रकृति में जनजातीयों की अटूट आस्था

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ कॉमन्स क्विनिंग' के समापन समारोह में शामिल हुए मंत्री क नेताम आदिम जाति विकास मंत्री क रामविचार नेताम ने कहा कि देश के लगभग सभी राज्यों में जनजातीय समुदाय के लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक जनजातीय समुदाय हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीयों का जल, जंगल, जमीन, नदी-नालों और पहाड़ों में अटूट आस्था है। जनजातीय समुदाय पेड़ पौधों, नदी-नालों में देवी-देवताओं का वास मानते हैं और इन्ही संस्कृति और परंपराओं के कारण वनवासी समुदाय प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन में पहले पायदान पर है। मंत्री क नेताम ने आज नवा रायपुर स्थित जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित दो दिवसीय राज्य-स्तरीय संवाद सम्मेलन 'छत्तीसगढ़ कॉमन्स क्विनिंग' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गहन मंथन हुआ है। इस मंथन में जो भी तथ्य निकलकर आएंगे उसकी उपयोगिता नीति निर्माण और जनहित में कैसी होगी इसके लिए हमारी सरकार तत्परता के साथ काम करेगी। मंत्री क नेताम कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समुदायों के विभिन्न समस्याओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन करने जा रही है। इस टास्क फोर्स की संवेदनशीलता और महत्व को देखते हुए इसकी कमान स्वयं मुख्यमंत्री संभालेंगे, जो इसके अध्यक्ष होंगे। नीतिगत निर्णयों के धरातल पर प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को मिलाकर एक विशेष कार्यान्वयन समिति भी बनाई जाएगी ।

खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने टूर्नामेंट आवश्यक

उप मुख्यमंत्री गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट के समापन समारोह में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री क अरुण साव आज रायपुर के जोरा स्थित इंटरनेशनल टेनिस स्टेडियम में आयोजित गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मिश्रित और एकल के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उप मुख्यमंत्री क साव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में गोंडवाना कप का आयोजन अनेक वर्षों से हो रहा है। प्रदेश में लगातार खेल प्रतियोगिताएं होने से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलता है और अच्छे खिलाड़ी निकल कर आते हैं। टूर्नामेंट में 20 राज्यों के 120 खिलाड़ियों का भाग लेना इसकी सफलता को बताता है। क साव ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए खिलाड़ी टूर्नामेंट आवश्यक हैं। इसके बिना खेल और खिलाड़ी दोनों आगे नहीं बढ़ सकते। गोंडवाना कप जैसी प्रतियोगिताएं लगातार होने चाहिए। उप मुख्यमंत्री गोंडवाना कप ऑल इंडिया

टेनिस टूर्नामेंट के समापन समारोह में हुए शामिल

इन विजेता खिलाड़ियों को प्रदान की ट्रॉफी: महिला डबल्स के फाइनल मुकाबले में शताक चौधरी और अनन्या जैन (उत्तर प्रदेश) की जोड़ी ने स्निग्धा पाटिबंडला और इरम जैदी को 3-6, 6-3, 10-7 से हराकर खिताब जीता। वहीं पुरुष डबल्स में निरव शेट्टी और अनुप बंगार्गी (महाराष्ट्र) की जोड़ी ने प्रसाद इंगाले और परितोष पवार को 6-2, 6-4 से हराया।

वहीं महिला एकल में राजस्थान की आयुषी तनवार ने उत्तरप्रदेश की शताक चौधरी को 2-6, 6-2, 6-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष एकल में तेलंगाना के नैशिक रेड्डी गनागामा ने महाराष्ट्र के प्रसाद इंगाले को 7-6 (7-4), 6-3 से हराकर विजेता बने। उप मुख्यमंत्री क साव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी

प्रदान की। समापन समारोह में एआईटीए (AITA) के महासचिव क अनिल धुपर, स्टेट टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, क गुरुचरण सिंह होरा, उपाध्यक्ष क नरेश गुप्ता और क आशीष सराफ सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी मौजूद थे।

24-26 अप्रैल तक खेल मंत्रियों का चिंतन शिविर: क साव ने बताया कि 24 अप्रैल से 26 अप्रैल तक कनगर में चिंतन शिविर का आयोजन हो रहा है। इसमें सभी राज्यों के खेल मंत्री और भारत सरकार के मंत्री व अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 2047 में जब देश आजादी के 100 वर्ष पूरा करे तो देश विकसित बने, इसके साथ ही खेल के क्षेत्र में भी भारत दुनिया में अग्रणी देश बने, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए योजना बनाकर प्रधानमंत्री क नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काम हो रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा